RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 परम सुंदरी की चेन्नई एक्सप्रेस...

वर्ष : 27 | अंक : 250 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

जापान टेक्नोलॉजी तो भारत टैलेंट का है पॉवरहाउस : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी का 'ट्रंप कार्ड', व्यापार व निवेश का दिया न्यौता

टोक्यो /नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान और चीन के दौरे पर हैं। शुक्रवार सुबह वह टोक्यो के हानेडा एयरपोर्ट पहुंचे जहां उनका स्वागत किया गया। 29 और 30 अगस्त को पीएम मोदी जापान में रहेंगे और इसके बाद वह 31 अगस्त और 1 सितंबर को चीन जाएंगे जहां तियानजिन शहर में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन के वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। जापान पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यहां बड़ी संख्या में भारतीय मूल के नागरिक पारंपरिक वेशभूषा में प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने टोक्यो में इंडिया-जापान इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि 'आज भारत में राजनीतिक स्थिरता है, आर्थिक स्थिरता है, नीतियों में पारदर्शिता है और फैसलों में पूर्वानुमान की क्षमता है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है और बहुत जल्द भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।'

पीएम मोदी ने कहा कि भारत निवेश के लिए सबसे प्रॉमिसिंग डेस्टिनेशन है। 80 प्रतिशत कंपनियां भारत में (शेष पृष्ठ-3 पर)

पीएम मोदी ने जापानी भाषा में किया ट्वीट

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर टोक्यो में भारतीय समुदाय से मिलते हुए कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इस पोस्ट में प्रधानमंत्री ने जापानी भाषा में भारतीय समुदाय को भव्य स्वागत के लिए धन्यवाद भी दिया।

चमोली में फिर फटा बादल, उफान पर अलकनंदा और मंदाकिनी नदी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में तबाही का दौर खत्म नहीं हुआ है। राज्य के कई जिलों के बुरे हाल हैं। चमोली जिले में एक बार फिर बादल फटा है। ये घटना तहसील देवाल के मोपाटा में हुई है, जिसमें दो लोगों के लापता होने की खबर है। प्रशासन ने राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया है। वहीं केदारघाटी के लवारा गांव में पुल बहने से छेनागाड़ क्षेत्र में स्थिति गंभीर हो गई है। इसके अलावा रुद्रप्रयाग जिले में अलकनंदा और मंदाकिनी भी उफान पर हैं, इनका पानी घरों में घुस कर तबाही मचा रहा है।

बताया जा रहा है कि आवास के पास मौजूद गौशाला मलबे में दब गई है, जिसमें लगभग 15 से 20 जानवर दबने की सूचना है। उत्तराखंड (शेष पृष्ठ-3 पर)

हरिद्वार में स्कूल बंद

हरिद्वार में भी भारी बारिश का दौर जारी है। यहां जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने भारी बारिश को देखते हुए सभी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्रों में आज बंद रखने के निर्देश दिए है। पिथौरागढ़ जनपद में लगातार हो रही भारी वर्षा एवं खराब मौसम की स्थिति को देखते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी द्वारा जनपद के समस्त शासकीय, अशासकीय एवं निजी विद्यालयों (कक्षा नर्सरी से कक्षा 12 तक) तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों में 29 अगस्त 2025 को अवकाश घोषित किया गया है।

आठ की मौत, 20 लापता

उत्तराखंड में अलग-अलग जगहों पर बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। रुद्रप्रयाग जिले के टेंडवाल गांव में मलबे में दबने से एक महिला की मौत हो गई। जबकि 18 से 20 लोग यहां लापता बताए जा रहे हैं। वहीं चमोली जिले के देवाल ब्लॉक में भी बादल फटा है। जिसमें पति-पत्नी लापता हैं और दो लोग घायल हो गए, साथ ही 20 मवेशी मलबे में दबे हैं। बागेश्वर के पोसारी गांव में भूस्खलन से एक भवन ध्वस्त होने से पांच लोगों की मौत की सूचना है। चमोली जिले के देवाल मोपाटा गांव में अतिवृष्टि से एक आवासीय भवन भूस्खलन की चपेट में आने से दंपती की मौत हो गई। रुद्रप्रयाग के बड़ेथ डुंगर तोक में भूस्खलन के (शेष पृष्ठ-3 पर)

आगरा में एसडीएम की सड़क दुर्घटना में मौत

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हुआ दर्दनाक हादसा

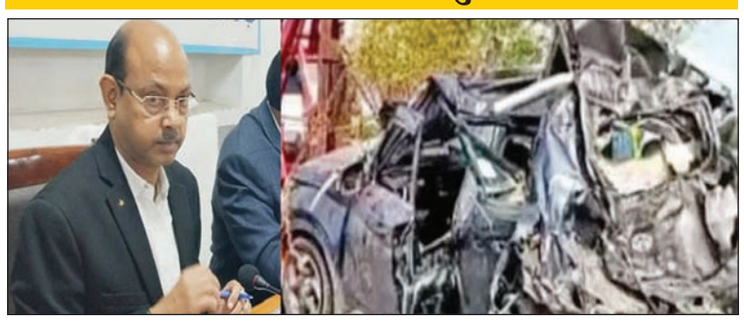

इटावा (एजेंसी)। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर एक दर्दनाक हादसा हुआ है। इस हादसे में आगरा के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और वर्तमान में कलेक्ट्रेट में अपर नगर मजिस्ट्रेट का चार्ज संभाल रहे एसडीएम राजेश जायसवाल की मौत हो गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

पीएम मोदी को अपशब्द कहने पर भड़के कार्यकर्ता, कांग्रेस दफ्तर पर हमला

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राजद और कांग्रेस की संयुक्त रैली में अपशब्द कहे जाने को लेकर शुक्रवार को बिहार की राजधानी पटना में जबरदस्त हंगामा हुआ। पीएम को अपशब्द कहने के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटना में कांग्रेस कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में कांग्रेस कार्यालय पर धावा बोल दिया।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय का गेट तोड़कर अंदर घुस गए और लाठियां बरसाईं।

कार्यालय में खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ की और ईंट पत्थर भी चलाए। इसमें कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चोटें भी आई हैं. एक कार्यकर्ता का सिर फट गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय में खड़े एक ट्रक के भी शीशे तोड़ डाले । भाजपा कार्यकर्ताओं के हाथ में लाठी-डंडे थे और वह गेट तोड़कर अंदर घुस गए। दोनों ओर से जमकर पत्थर चले। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसबल भी मौजूद था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल आएंगे नोएडा

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल 30 अगस्त-2025 को फेस-2 स्थित सेक्टर-80 में राफे एमफाइबर प्रा. लि. कंपनी के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचेंगे। उनके साथ देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के भी आने की संभावना है। इसके मद्देनजर नोएडा प्राधिकरण ने व्यापक तैयारियां तेज कर दी है तथा हेलीपैड का भी निर्माण कराया जा रहा है।

इससे पहले सीएम गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पर होने वाले एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। यहां से हेलीकॉप्टर के जरिए वो नोएडा के सेक्टर-113 आएंगे। यहां हैलीपेड बनाया जा रहा है। जिसका काम कल तक पूरा कर लिया जाएगा। यहां से सड़क मार्ग के जरिए फेस-2 स्थित कंपनी पहुंचेंगे। यहां कार्यक्रम में शिरकत करने के (शेष पृष्ठ-3 पर)

दुर्घटना में मौत पर कार चालक के खिलाफ एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में गत दिनों हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत के मामले में क्रेटा कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

मूल रूप से मालदा पश्चिम बंगाल के रहने वाले मानिक दास ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह वर्तमान में शनि मंदिर के पास कोंडली गांव में रह रहे हैं। 15 अगस्त को उनका भतीजा सागर दास अपने दोस्त भोले के साथ बाइक से घर आ रहा था दोनों जब जेपी अमन रोड पर पहुंचे तो पीछे से तेज गति में आ रही काले रंग की क्रेटा कार के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार सागर दास और भोला गंभीर रूप से घायल हो गए। कार के चालक ने दोनों घायलों को बालाजी अस्पताल में भर्ती करा दिया।

सागर दास की हालत गंभीर होने के कारण उसे उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से उसे ट्रॉमा सेंटर सिविल लाइन में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान 23 अगस्त को सागर दास की मौत हो गई।

थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

घर व पीजी में चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। चोरों ने अलग-अलग स्थान पर चोरी की दो घटनाओं को अंजाम दिया। चोर एक घर से जेवरात, नगदी, एलईडी टीवी व अन्य सामान चोरी कर ले गए। चोरी की दूसरी घटना एक पीजी में हुई। चोर यहां एक कमरे का ताला तोड़कर लैपटॉप,नगदी व अन्य सामान चोरी कर ले गया। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सेक्टर-12 में रहने वाली वैशाली ने अपने घर में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि वह 27 अगस्त की शाम को गाजियाबाद में अपने परिजनों के यहां गई थी। 28 अगस्त की दोपहर को जब वह घर लौटी तो उसे दरवाजे पर (शेष पृष्ठ-3 पर)

कंपनी के गोदाम से लाखों का माल चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-155 में अल्युमिनियम फॉयल, एडेहसिव नियोफोर्स व नायलोन फिल्म बनाने वाली कंपनी के गोदाम से लाखों रुपए का सामान चोरी हो गया। कंपनी के एचआर मैनेजर ने कंपनी में पूर्व में तैनात सिक्योरिटी गार्ड व उसके साथियों के खिलाफ थाना नॉलेज पार्क में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-155 स्थित वहारेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एचआर मैनेजर इंद्र बहादुर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी

कंपनी फार्मा पैकेजिंग सामग्री का उत्पादन करती है। उनकी कंपनी में एल्युमिनियम फॉयल, नायलॉन फिल्म बनाने का कार्य होता है। पिछले कुछ दिनों से कंपनी के गोदाम से सामान चोरी हो रहा था। जानकारी मिलने पर जब गोपनीय जांच की गई तो पता चला कि कंपनी में पूर्व में (शेष पृष्ठ-3 पर)

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने दो पहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों में एक कबाड़ी भी शामिल है। इनके पास से चोरी की 10 बाइक बरामद हुई है। नोएडा जोन के डीसीपी ने बताया कि थाना सेक्टर-58 प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली कि वाहन चोर गिरोह के 3 सदस्य सेक्टर-62 में चोरी के वाहनों को बेचने के लिए आने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इन्हें दबोच लिया। तलाशी में इनके पास से एक चाकू बरामद हुआ। (शेष पृष्ठ-3 पर)

छात्रा को भगा ले गया स्कूल फ्रेंड

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 में नाबालिक किशोरी को भगाने के आरोप में युवक व उसके माता-पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोपी युवक किशोरी के साथ उसके स्कूल में पढ़ता था। वहीं थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सदरपुर कालोनी से एक किशोरी लापता हो गई।

ग्रेटर नोएडा में रहने वाली शीला (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट बताया कि 27 अगस्त की शाम को बीटा- 1 सेक्टर में रहने वाला विजय कुमार पासवान, उसका पिता राम आशीष व माँ प्रियंका षड्यंत्र के तहत उसकी नाबालिक बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गए। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पीड़िता के मुताबिक आरोपी विजय पासवान उसकी बेटी के साथ उसके ही स्कूल में पढ़ता था। पीड़िता ने आशंका जताई है कि उसकी नाबालिक बेटी के साथ कोई भी अनहोनी घटना हो सकती है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी युवक व उसके माता-पिता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस किशोरी व आरोपियों की तलाश कर रही है। वहीं थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सदरपुर में रहने वाली पूजा (काल्पनिक नाम) ने अपनी 17 वर्षीय बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता का कहना है कि (शेष पृष्ठ-3 पर)

जनरेटर के कंट्रोल पैनल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-120 स्थित प्रतीक लॉरिअल अपार्टमेंट से चोरों ने तीन डीजल जनरेटर के कंट्रोल पैनल चोरी कर लिए। अपार्टमेंट संगठन के मैनेजर ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

प्रतीक लॉरेल अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन के स्टेट मैनेजर मनीष शर्मा ने कराई रिपोर्ट में बताया कि 18 जुलाई की रात्रि को अज्ञात चोरों ने सोसाइटी में लगे। तीन डीजल जनरेटर के कंट्रोल पैनल चोरी कर लिए। लाइट जाने पर जब कर्मचारियों ने जनरेटर को स्टार्ट करने का प्रयास किया तो वह स्टार्ट नहीं हुए। इसके बाद चोरी की जानकारी मिली। समिति के सिक्योरिटी गार्ड्स ने उन्हें रात्रि में ही इस बात की जानकारी दी गई। उन्होंने तुरंत डॉयल-112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सोसायटी में लगे सीसीटीवी कैमरा की भी जांच की। पुलिस का कहना है कि अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

नोएडा प्राधिकरण के निर्णय का विरोध

कट बंद किए बिना हो रहा है सेक्टर-11 व 12 में आरसीसी डिवाइडर का निर्माण

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण सेक्टर-11 तथा 12 के बीच स्वानी फर्नीचर से लेकर नेहरू इंटरनेशनल स्कूल तक आरसीसी डिवाइडर बना रहा है। खास बात यह है कि इस दो लेने की सड़क पर डिवाइडर बनाने से जहां सड़क की चौड़ाई कम हो जाएगी। वहीं कट बंद न किए जाने से जाम की समस्या भी पूर्व की तरह जारी रहेगी। वहीं मकान के गेट पर गाड़ी पार्किंग ना होने से सेक्टर-11 के एन, जे आदि ब्लॉक के लोगों ने इसका घोर विरोध किया है। इसकी लिखित शिकायत नोएडा प्राधिकरण से भी की है।

सेक्टर-11 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष अनुज गुप्ता तथा अन्य पदाधिकारी ने बताया कि पहले से यह सड़क कम चौड़ी है तथा मकान के गेट पर बिजली के पोल तथा पेड़ खड़े हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

किराएदार ने शराब लाने से किया इंकार तो छत से फेंका

नोएडा (चेतना मंच)। किराएदार द्वारा ठेके से शराब लाने से इंकार करने पर मकान मालिक का पारा चढ़ गया। मकान मालिक ने अपने साथियों के साथ मिलकर किराएदार के साथ मारपीट की और उसे छत से नीचे फेंक दिया। इस घटना में युवक को गंभीर चोटें आई। करीब डेढ़ माह पूर्व हुई इस घटना की रिपोर्ट पीड़ित के पिता ने अब थाना सेक्टर-39 में दर्ज कराई है। सदरपुर गांव निवासी लोकेश के यहां पर राजेश कुमार अपने परिजनों के साथ किराए पर रह रहा था। राजेश कुमार के मुताबिक 7 जुलाई की रात्रि को लोकेश अपने साथियों के साथ मकान की छत पर बैठा हुआ था। लोकेश ने उनके बेटे शिवम को बुलाकर ठेके से शराब लाने को कहा। शिवम ने शराब लाने से इंकार कर दिया। इस पर लोकेश व उसके साथियों सोनू, भूरा, सत्येंद्र ने शिवम के साथ गाली-गलौज व मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान आरोपियों ने शिवम को छत से धक्का दे दिया। इस घटना में शिवम गंभीर रूप से घायल हो गया। राजेश कुमार के मुताबिक (शेष पृष्ठ-3 पर)

लूट की साजिश बनाते चार दबोचे

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने पार्क में बैठकर लूट की योजना बना रहे चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तमंचा, कारतूस, चाकू, डंडे, छीना हुआ मोबाइल फोन बरामद हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम एनआईवी चौकी क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि सेक्टर-62 छोटे डी पार्क में कुछ बदमाश लूटपाट एवं चोरी की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पार्क में पहुंचकर चारों आरोपियों को घेर लिया। पुलिस को देखकर चारों युवकों ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें दबोच लिया। तलाशी में (शेष पृष्ठ-3 पर)

विनाशकारी पानी

जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो कितना घातक व विनाशकारी हो जाता है, इस बार की मूसलाधार मानसूनी बारिश ने हमें बता दिया है। लोग अब पानी के आवेग को देखकर डरने लगे हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर व पूर्वोत्तर के हिमालयी राज्यों में बादल फटने, हिमस्खलन और मलबे के सैलाब की जो घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने हर किसी को भयभीत किया है। हालात ने बताया है कि हमेशा शांत रहने वाले पहाड़ भी कितना रौद्र रूप दिखा सकते हैं। इस अतिवृष्टि से सड़कों, पुलों व स्थायी संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। खेतों में खड़ी फसलें तबाह हो गई हैं। जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से कुछ श्रद्धालुओं की मौत दुखद घटना है। बांधों से आया अतिरेक पानी रावी, ब्यास व सतलुज को विकराल बना गया, जिससे पंजाब के करीब एक दर्जन जिले जलमग्न हो गए हैं। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो गई हैं। पुल बहने व सड़कें तबाह होने से जन-जीवन पंगु बनकर रह गया है। पहाड़ों के लोग हैरत में हैं कि अचानक बादल फटने की घटनाओं में ये अप्रत्याशित वृद्धि कैसे हुई है। क्या कुदरत नाराज है? क्या ये गहराते ग्लोबल वार्मिंग संकट की देन है? दरअसल, हमारे नीति-नियंता पहाड़ों के पारिस्थितिकीय तंत्र की संवेदनशीलता को महसूस नहीं करते। भूल जाते हैं कि पहाड़ों का विकास मैदानी मॉडल पर नहीं किया जा सकता। साथ ही राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के अधिकारियों की आधी-अधूरी तैयारियां भी संकट बढ़ाने वाली साबित हुई हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में, हिमाचल सरकार ने स्वीकार किया है कि पारिस्थितिक असंतुलन से निपटने के मौजूदा उपायों में कमियां रही हैं। राज्य ने इस स्थिति से निपटने के लिये एक 'व्यापक भावी कार्य योजना' तैयार करने के लिये कम से कम छह माह का वक्त मांगा है। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं को कम करने की तंत्र में कोई तात्कालिकता नजर नहीं आती। फिर इन आपदाओं का खमियाजा वे लोग उठाते हैं, जिनका इस स्थिति को पैदा करने में कोई रोल नहीं होता। निस्संदेह, प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति वनों की कटाई, अनियमित विकास तथा जलवायु परिवर्तन के कारकों की वजह से तेज हुई है। वास्तव में मौजूदा स्थितियों में जो कुछ करने की जरूरत है, वो किसी भी तरह कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इस संकट के मुकाबले के लिये वैज्ञानिक व प्रशासनिक व्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले विशेषज्ञों को शामिल करने की जरूरत है। उनकी राय और सलाह नीति-निर्माताओं का मार्गदर्शन करेगी। सरकारों को राजनीतिक और व्यावसायिक हितों को दरकिनार करते हुए, पर्यावरण संवर्धन के लिये काम करना चाहिए। हिमाचल सरकार की पहल सराहनीय है, जिसमें संकट को बढ़ाने वाली खामियों की पहचान करने हेतु अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों और सामुदायिक प्रतिनिधियों का एक कोर ग्रुप बनाने में उत्सुकता दिखायी गई है। वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जोखिमों को कम करने के उपायों पर विचार-विमर्श करने हेतु विशेषज्ञों से परामर्श का आह्वान किया है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कोर ग्रुप या समितियों की सिफारिशों को गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए। अन्यथा पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। हमें अतीत के अनुभवों से सबक लेने की भी जरूरत है। स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में भी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपदाओं के बाद बचाव, राहत व पुनर्वास में राज्य सरकारों तथा केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के समन्वय की प्रशंसा की थी। हालिया आपदाओं के मद्देनजर ऐसा तालमेल अपरिहार्य है। जिससे आपदाओं से लोगों की आजीविका और बुनियादी ढांचे का नुकसान कम से कम किया जा सके। प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी प्रणाली में सुधार करना समय की जरूरत है। निस्संदेह, खतरे के जरा से भी संकेत मिलने पर प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में तनिक भी देरी नहीं की जानी चाहिए। साथ ही प्रभावित राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को आपस में मिलकर प्राकृतिक आपदाओं से जुड़ी जानकारी परस्पर साझा करनी चाहिए। वहीं पर्यावरण अनुकूल उपायों को भी बढ़ावा देना चाहिए। निस्संदेह, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था प्राकृतिक आपदाओं के प्रकोप से होने वाली जन-धन की हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकती है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि सबेरे श्री रघुनाथजी ने मुनि से कहा- आप जाकर निडर होकर यज्ञ कीजिए। यह सुनकर सब मुनि हवन करने लगे। आप (श्री रामजी) यज्ञ की रखवाली पर रहे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सुनि मारीच निसाचर क्रोही। लै सहाय धावा मुनिद्रोही॥
बिनु फर बान राम तेहि मारा। सत जोजन गा सागर पारा॥

यह समाचार सुनकर मुनियों का शत्रु कोरथी राक्षस मारीच अपने सहायकों को लेकर दौड़ा। श्री रामजी ने बिना फल वाला बाण उसको मारा, जिससे वह सौ योजन के विस्तार वाले समुद्र के पार जा गिरा॥

पावक सर सुबाहु पुनि मारा। अनुज निसाचर कटकु सँघारा॥
मारि असुर द्विज निर्भयकारी। अस्तुति करहिं देव मुनि झारी॥

फिर सुबाहु को अग्निबाण मारा। इधर छोटे भाई लक्ष्मणजी ने राक्षसों की सेना का संहार कर डाला। इस प्रकार श्री रामजी ने राक्षसों को मारकर ब्राह्मणों को निर्भय कर दिया। तब सारे देवता और मुनि स्तुति करने लगे॥

तहँ पुनि कछुक दिवस रघुराया। रहे कीन्हि बिप्रन्ह पर दाया॥
भगति हेतु बहुत कथा पुराना। कहे बिप्र जद्यपि प्रभु जाना॥

श्री रघुनाथजी ने वहाँ कुछ दिन और रहकर ब्राह्मणों पर दया की। भक्ति के कारण ब्राह्मणों ने उन्हें पुराणों की बहुत सी कथाएँ कहीं, यद्यपि प्रभु सब जानते थे॥

(क्रमशः..)

विश्वगुरु बनने की नई इबारत लिखता भागवत का उद्बोधन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित वार्षिक व्याख्यानमाला केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। संघ सरचालक मोहन भागवत ने इन व्याख्यानों में जिस स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, उन्होंने संघ की विचारधारा के प्रति व्याप्त भ्रांतियों का निवारण करने के साथ-साथ भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है,नए मनुष्य का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

हिंदुत्व को लेकर जो भ्रांतियाँ फैलाई जाती रही हैं, उन्हें भी भागवत ने तार्किक ढंग से दूर किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी संकीर्ण परिभाषा का नाम नहीं है। यह कोई धर्म विशेष की पूजा-पद्धति या संप्रदाय नहीं है। हिंदुत्व भारतीय जीवन दृष्टि है, वह व्यापक सांस्कृतिक धारा है, जिसमें करुणा, समरसता, सेवा, अहिंसा, सत्य और आत्मानुभूति का सम्मिलन है। हिंदुत्व सबको जोड़ता है, किसी को अलग नहीं करता। यह भारत की आत्मा है और इसी आत्मा के बल पर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्राप्त हो सकती है। इस स्पष्ट व्याख्या ने उस संदेह को भी दूर किया कि संघ का हिंदुत्व राजनीतिक या सत्ता प्राप्ति का साधन है। वास्तव में यह संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में बांधने वाली दृष्टि है, जिसमें भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है। दूसरे दिन के वक्तव्य में भागवत ने और गहराई से विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने पंचकर्म की चर्चा करते हुए कहा कि जैसे आयुर्वेद में पंचकर्म शरीर की शुद्धि का साधन है, वैसे ही समाज की शुद्धि और पुनर्निर्माण के लिए भी पंचकर्म आवश्यक है। उन्होंने पांच आयाम बताए-चरित्र निर्माण, संगठन निर्माण, समरसता, गरीब का उत्थान और आध्यात्मिक जागरण। यह पांचों पहलू किसी भी समाज के स्थायी स्वास्थ्य और विकास के आधार हैं। केवल राजनीतिक सुधार या आर्थिक प्रगति से राष्ट्र महान नहीं बनता, बल्कि तब बनता है जब व्यक्ति का चरित्र शुद्ध हो, समाज संगठित हो, उसमें समरसता हो, कमजोर वर्ग को उत्थान मिले और राष्ट्र का जीवन उच्च आध्यात्मिक मूल्यों से संपन्न हो।

हिंदुत्व को लेकर जो भ्रांतियाँ फैलाई जाती रही हैं, उन्हें भी भागवत ने तार्किक ढंग से दूर किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी संकीर्ण परिभाषा का नाम नहीं है। यह कोई धर्म विशेष की पूजा-पद्धति या संप्रदाय नहीं है।

विशेष रूप से गरीब आदमी के उत्थान पर भागवत का जोर उल्लेखनीय था। उन्होंने कहा कि भारत तभी सशक्त होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचे। यह विचार महात्मा गांधी के 'अंत्योदय', विनोबा भावे के 'सर्वोदय' और दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' की पुनर्स्मृति कराता है। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास के लाभ समाज के सभी तबकों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। यदि इस खाई को नहीं भरा गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी रह जाएगी। भागवत का दृष्टिकोण यह है कि राष्ट्र तभी महान बन सकता है जब उसका सबसे कमजोर नागरिक भी गरिमा और सम्मान के साथ जीवन जी सके। धर्मों की एकता पर उनका दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण था। भारत का इतिहास यही बताता है कि यहां विविधता में एकता की परंपरा रही है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन-सभी धर्म इस भूमि पर फले-फूले हैं और सभी का मूल संदेश करुणा, सेवा और मानवता रहा है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब धर्म को सत्ता की राजनीति से जोड़ा जाता है। भागवत का कहना था कि यदि हम धर्मों के मूल्यों को देखें तो उनमें कोई टकराव नहीं है। सबका आधार प्रेम, सत्य और सेवा है। यही साझा आधार भारत को एक ऐसा समाज बनाने में सक्षम है, जो विश्व के लिए अनुकरणीय हो।

भागवत के विचार निश्चित रूप से भारत की सांस्कृतिक परंपरा और संघ की कार्यप्रणाली को नई स्पष्टता देते हैं, लेकिन यहां यह प्रश्न भी उठता है कि इन विचारों को व्यवहार में उतारने की राह कितनी सरल है? समाज की जटिलताओं, जातीय और धार्मिक तनावों, राजनीतिक स्वार्थों और आर्थिक विषमताओं के बीच नया मनुष्य बनाना एक दीर्घकालिक साधना है। आलोचक कहते हैं कि संघ के पास विचार तो हैं, लेकिन उनकी जड़ें अभी तक समाज के सभी वर्गों तक गहराई से नहीं पहुँची हैं। विशेषकर अल्पसंख्यक समुदायों में संघ के प्रति संदेह आज भी विद्यमान है। इसलिए केवल वक्तव्यों से नहीं, बल्कि ठोस और पारदर्शी कार्यों से यह भरोसा पैदा करना होगा कि संघ का हिंदुत्व वास्तव में सर्वसमावेशी है। इसी तरह गरीब के उत्थान और धर्मों की एकता की बातें विचारणीय हैं, किंतु यह भी देखना होगा कि क्या संघ और उससे जुड़े संगठन इस दिशा में ठोस योजनाएं और परिणाम दे पा रहे हैं? आलोचक यह प्रश्न उठाते हैं कि विकास की मुख्यधारा में गरीबों की स्थिति सुधारने में सामाजिक संगठनों से अधिक भूमिका सरकार की रही है। अत: यदि संघ इन बिंदुओं को अपनी कार्ययोजना का मूल बनाए, तो उसे केवल नैतिक आह्वान से आगे बढ़कर व्यावहारिक नीतियां और कार्यक्रम तैयार करने होंगे। तभी यह दृष्टि प्रभावी सिद्ध होगी और भारत सचमुच उस दिशा में बढ़ सकेगा, जिसकी परिकल्पना व्याख्यानमाला में की गई।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की यह व्याख्यानमाला केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है-नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो यह संकल्प पूरे समाज का होना चाहिए।

संघ को लेकर लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि उसकी विचारधारा संकीर्ण है, वह केवल बहुसंख्यक समाज का प्रतिनिधित्व करता है, उसमें अल्पसंख्यकों के लिए कोई स्थान नहीं है। भागवत के इन वक्तव्यों ने यह स्पष्ट कर दिया कि संघ का दृष्टिकोण न तो संकीर्ण है और न ही बहिष्कृत करने वाला। संघ का हिंदुत्व सर्वसमावेशी है, जिसमें सभी धर्म और सभी आस्थाएं स्थान पा सकती हैं। इसका उद्देश्य सत्ता की राजनीति नहीं, बल्कि समाज का नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण है। संघ की शताब्दी का यह अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज भारत का भविष्य एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर आर्थिक प्रगति, तकनीकी उपलब्धियां और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा है, तो दूसरी ओर आंतरिक चुनौतियां भी हैं-सामाजिक असमानता, जातीय तनाव, धार्मिक विद्वेष और मूल्यहीन राजनीति। इन चुनौतियों का समाधान केवल बाहरी सुधारों से नहीं, बल्कि भीतर से परिवर्तन लाने से होगा। यही संघ की कार्यप्रणाली है और यही भागवत का संदेश है। नये क्षितिज की ओर व्याख्यानमाला एक निष्कर्ष की ओर ही नहीं, बल्कि एक प्रश्न की ओर भी ले जाती है, क्या हम भारत को केवल भौतिक अर्थों में शक्तिशाली बनाना चाहते हैं या उसे वास्तव में विश्वगुरु बनाना चाहते हैं? यदि उत्तर दूसरा है, तो हमें भागवत के सन्देश को क्रियान्विति का धरातल देना ही होगा। दुनिया के लिये अपनेपन का नजरिया विकसित करना होगा, सौदे का नहीं।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

आर्थिक ब्रह्मास्त्र है स्वदेशी

देश में अमरीका के हठी रुख के कारण केंद्र द्वारा स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया गया है। यह आह्वान एक महत्वपूर्ण उद्घोष है, ताकि अमरीका की कुत्सित आर्थिक नीतियों को गांधीगिरी से माकूल जवाब दिया जा सके। स्वदेशी का अर्थ है 'अपने देश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग करना और विदेशी वस्तुओं के उपयोग से बचना।' इसका उद्देश्य ग्राम या देश के अधिकतम लोगों द्वारा बनाई गई वस्तुओं को खरीदना और इस्तेमाल करना होता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो और विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम हो। साधारण शब्दों में, स्वदेशी का अर्थ है अपने देश की चीजों का समर्थन करना और विदेशी चीजों से बचना। इस विचार को मुख्यतः स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीयों में बढ़ावा दिया गया था ताकि विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार से देश की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। वर्ष 1905 के बंग-भंग विरोधी जनजागरण से स्वदेशी आंदोलन को बहुत बल मिला। यह 1911 तक चला और गांधी जी के भारत में पदार्पण के पूर्व सभी सफल आंदोलनों में से एक था। अरविंदो घोष, रवींद्रनाथ ठाकुर, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और लाला लाजपत राय स्वदेशी आंदोलन के मुख्य उद्घोषक थे। आगे चलकर यही स्वदेशी आंदोलन महात्मा गांधी के स्वतंत्रता आंदोलन का भी केन्द्र-बिन्दु बन गया। राष्ट्रपिता ने इसे 'स्वराज की आत्मा' कहा था। 'स्वदेशी' का विचार कांग्रेस के जन्म से पहले ही दे दिया गया था।

जब 1905 ईस्वी में बंग-भंग हुआ, तब स्वदेशी का नारा जोरों से अपनाया गया। उसी वर्ष कांग्रेस ने भी इसके पक्ष में मत प्रकट किया। देशी पूंजीपति उस समय मिलें खोल रहे थे, इसलिए स्वदेशी आंदोलन उनके लिए बड़ा ही लाभदायक सिद्ध हुआ। भारत में स्वदेशी का पहले-पहल नारा बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने 1872 ईस्वी में ही विज्ञानसभा का प्रस्ताव रखते हुए दिया था। उन्होंने कहा था, 'जो विज्ञान स्वदेशी होने पर हमारा दास होता, वह विदेशी होने के कारण हमारा प्रभु बन बैठा है, हम लोग दिन-ब-दिन साधनहीन होते जा रहे हैं। अगस्त 1905 में कलकत्ता के टाउनहॉल में एक विशाल बैठक आयोजित की गई जिसमें स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक घोषणा की गई। मैनचेस्टर में निर्मित कपड़ों तथा लिवरपूल के नमक जैसे सामानों के बहिष्कार का संदेश प्रचारित किया गया। इसी कड़ी में बंगाल के लोगों ने वंदे मातरम् गीत गाकर व्यापक विरोध प्रदर्शित किया। और रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा 'आमार शोनार बांग्ला' की रचना की गई। हालांकि यह आंदोलन मुख्य रूप से बंगाल तक ही सीमित था, लेकिन भारत के कुछ अलग-अलग हिस्सों में भी इसका प्रसार देखा गया जैसे बाल गंगाधर तिलक के नेतृत्व में पूना और बॉम्बे में, लाला लाजपत राय और अजीत सिंह के नेतृत्व में पंजाब में, सैयद हैदर रजा के नेतृत्व में दिल्ली में, मद्रास में चिदंबरम पिल्लई के नेतृत्व में इत्यादि।

स्वदेशी आंदोलन का भारत पर गहरा प्रभाव पड़ा, जिससे न केवल ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार को बढ़ावा मिला, बल्कि स्वदेशी उद्योगों और राष्ट्रीय शिक्षा को भी प्रोत्साहन मिला। स्वदेशी आंदोलन ने भारतीय उद्योगों को बढ़ावा दिया, जिससे कपड़ा मिलें, साबुन और माचिस की फैक्टरियां, चमड़े के कारखाने, बैंक, बीमा कंपनियां और दुकानें स्थापित हुईं। क्या यह अब हमारे लिए जरूरी नहीं है। स्वदेशी आंदोलन के परिणामस्वरूप, राष्ट्रीय शिक्षा परिषद की स्थापना की गई और बंगाल नेशनल कॉलेज और देश भर में कई राष्ट्रीय स्कूल और कॉलेज खोले गए। स्वदेशी आंदोलन ने विदेशी वस्तुओं, विशेष रूप से कपड़ों, चीनी, नमक और विलासिता की वस्तुओं का बहिष्कार किया, जिससे उनकी बिक्री में कमी आई। क्या इस तरह के आंदोलन की आज जरूरत नहीं है? अमेरिकी बॉस की भारत को आर्थिक तौर पर नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों के संदर्भ में प्रधानमंत्री द्वारा स्वदेशी का आह्वान यदि पूरे देश मे एक आंदोलन का रूप ले ले तो अमरीकी हितों को एक बड़ा झटका लगेगा, स्वदेशी हमारी दीर्घकालीन आर्थिक नीति का आवश्यक हिस्सा होना चाहिए, देश का नीति आयोग इस पर ध्यान दे। हमें स्वदेशी साधनों के उपयोग पर बल देना चाहिए। आज के दौर में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की जरूरत फिर से महसूस होने लगी है। विकसित देश उन्हीं के होते हैं, जिनमें स्वदेशी उत्पादों का उत्पादन होता है। यदि हम दूसरे देशों पर निर्भर रहेंगे, तो वे हमें मजबूरी में ऊंचे दाम पर चीजें बेचेंगे और हमें उन्हें खरीदने की आवश्यकता होगी। स्वदेशी आंदोलन, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा, आज आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का आधार बन चुका है। यह आंदोलन न केवल आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देता है, बल्कि राष्ट्रीय गौरव और सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है। हर भारतीय को स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की जरूरत है, क्योंकि यह देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, रोजगार सृजन करने और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त करता है। स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से न केवल विदेशी आयात पर निर्भरता कम होती है, बल्कि स्थानीय कारीगरों, किसानों और उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलता है। यह आंदोलन भारत को एक मजबूत और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने का संकल्प है। हर भारतीय को इस आंदोलन का हिस्सा बनना चाहिए, क्योंकि स्वदेशी अपनाना केवल खरीददारी का निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक कदम है। भारतीय समाज का एक वर्ग स्वदेशी वस्तुओं को गर्व और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ता है तो दूसरी तरफ शहरी मध्यवर्ग और उच्चवर्ग के लिए आज भी विदेशी ब्रांड एक 'प्रतिष्ठा प्रतीक' बने हुए हैं जिससे स्वदेशी उत्पादों को विपणन और ब्रांडिंग के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।

इसलिए सरकार सब कुछ करेगी, यह मानना गलत होगा। सभी भारतीयों को स्वदेशी आंदोलन से जुड़ना होगा और स्वदेशी को बल देना होगा। सरकार और उद्यमी को भी गुणवत्ता और नवाचार को स्वीकार करना होगा तथा छोटे उद्यमों को ऋण, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता की व्यवस्था करनी होगी। स्वदेशी उत्पादों की ब्रांड पहचान भी जरूरी रहेगी। भारत के पास अवसर हैं, लेकिन उसके लिए स्वदेशी जरूरी है। भारत के पास एक विशाल घरेलू बाजार है जो स्वदेशी उत्पादों की स्थिर मांग बन सकता है। सरकार और निजी क्षेत्र के सहयोग से स्वदेशी उद्योगों को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया जा सकता है और उसके लिए नवाचार और उद्यमशील युवा को बल और साथ मिलना जरूरी है। आवश्यक है कि नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन, तकनीकी नवाचार में निवेश, और सामाजिक मानसिकता में बदलाव लाकर स्वदेशी को एक सशक्त और प्रतिस्पर्धी विकल्प बनाया जाए। यदि भारत 'ग्लोबल इन विजन, लोकल इन प्रैक्टिस' की नीति अपनाए, तो स्वदेशी आंदोलन 21वीं सदी में भारत को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में अग्रसर कर सकता है। याद रहे कि विदेशी चीजों के इस्तेमाल से दुश्मन के हिमायती देशों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और हर देशवासी को ऐसा नहीं करना है।

-डा. वरिंद्र भाटिया
कालेज प्रिंसीपल

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष षष्ठी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
जीवनसाथी का भरपूर साथ व सहयोग और एक नयापन। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। बस थोड़ा स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक कर रखें। भावनाओं पर काबू रखें। लेखकों के लिए और कवियों के लिए अच्छा समय।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी, फिर भी घरेलू सुख बाधित रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान भी अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
किया गया पराक्रम सफलता दिलाएगा। व्यावसायिक ऊर्जा बनी रहेगी। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं। धन आगमन होगा लेकिन निवेश करने से बचें। स्वास्थ्य में सुधार।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। समाज में सराहना होगी। आपका कद बढ़ेगा। शुभता बनी रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
सिरदर्द, नेत्रपीड़ा व अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान मध्यम है व व्यापार लगभग ठीक है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान का भरपूर सहयोग है

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा। पिता का साथ होगा। व्यावासायिक तरक्की मिलेगी। पिता का साथ मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बचकर पार करते रहें। निवेश न करें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम-संतान भी मध्यम दिख रहा है। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुई भागवत कथा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एकल श्रीहरि बनवासी फाउंडेशन के अंतर्गत श्री मद भागवत कथा के प्रथम दिन कलश यात्रा ढोल नगाड़ों के साथ पूरे सेक्टर में निकाली गई। जिसमे शहर से आई महिलाओं ने भाग लिया। श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ कथा व्यास साध्वी प्रीति पाराशर जी द्वारा शाम 4 बजे से शाम 7 बजे तक श्री पीपल महादेव मन्दिर डेल्टा 1 में किया गया। भागवत में माहात्म्य का वर्णन किया गया ।श्रीमद्भागवत महापुराण का महत्व या महिमा, जिसका वर्णन भगवान के दिव्य ज्ञान और उनके चरित्र की श्रेष्ठता को समझने के लिए किया जाता है। यह कथा के दिव्य ज्ञान की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रतीक है। जो लोगों को सांसारिकता से परे ले जाती है। भागवत कथा में आज के मुख्य यजमान ओमप्रकाश पूनम अग्रवाल, बबीता बंसल, सरोज तोमर, रश्मि त्यागी, सीमा बंसल, सरोज अरोड़ा, विनीता शर्मा, मीनाक्षी माहेश्वरी, रश्मि जिंदल, नीलम मिश्रा, बबीता वर्मा, ललिता चौहान, संगीता सक्सेना, सुमन विष्ट, शरद त्यागी, मुकुल गोयल आदि उपस्थित रहे।

बकाया वेतन के लिए कर्मचारियों का प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित मेसर्स-श्याम प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड के 15 कर्मचारियों ने कंपनी के मालिक पर बकाया वेतन न देने का आरोप लगाते हुए, एक बार फिर जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने सीटू जिला कमेटी गौतम बुद्ध नगर के नेतृत्व में, कंपनी के गेट पर के. पी. सिंह चोर है के नारे लगाए।

सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि कंपनी के मालिक के. पी. सिंह ने 15 श्रमिकों को गैरकानूनी तरीके से नौकरी से निकाल दिया था और उनका बकाया वेतन भी नहीं दिया। इसी के विरोध में 8 अगस्त को भी सीटू के बैनर तले धरना प्रदर्शन किया गया था। उस समय, मालिक ने दो-तीन दिन के भीतर वेतन भुगतान का आश्वासन दिया था, लेकिन उन्होंने अपना वादा नहीं निभाया।

सीटू महासचिव रामसागर और सचिव रामस्वारथ ने बताया कि कंपनी के मालिक मजदूरों से काम तो करा लेते हैं, लेकिन उन्हें समय पर वेतन नहीं देते। जब मजदूर अपना वेतन मांगते हैं, तो उनके साथ बदतमीजी की जाती है और उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाता है।

मजदूर नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि 28 अगस्त को दोपहर 12 बजे वेतन भुगतान का समय दिया गया था, लेकिन तय समय पर जब कर्मचारी कंपनी पहुंचे तो मालिक के. पी. सिंह वहां से नदारद थे। इससे गुस्साए मजदूरों ने सीटू के जिला सचिव रामस्वारथ के नेतृत्व में कंपनी के गेट पर प्रदर्शन किया।

ऐतिहासिक प्रेरणा यात्रा में सहयोग देने के लिए सिटी हार्ट एकेडमी का सम्मान

दादरी (चेतना मंच)। 'जय हो' एक सामाजिक संस्था द्वारा दादरी नगर के सिटी हार्ट एकेडमी स्कूल में आभार वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक प्रेरणा यात्रा को सफल बनाने में अपना सहयोग देने के लिए स्कूल के छात्र-छात्राओं व प्रधानाचार्य को सम्मानित किया गया। वहीं जय हो संस्था के संयोजक एवं सिटी हार्ट एकेडमी के डायरेक्टर संदीप भाटी को यात्रा के दौरान भाई की मृत्यु की खबर मिलने के बाद भी विशेष सहयोग देने व भगत सिंह का किरदार निभाने के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जय हो एक सामाजिक संस्था के अध्यक्ष दिनेश भाटी एडवोकेट ने बताया कि आजादी के माहपर्व के अवसर पर संस्था के द्वारा प्रेरणा यात्रा का आयोजन किया गया था। जिसके तहत संस्था के पांच सदस्य संस्थापक कपिल शर्मा के नेतृत्व में पंजाब के हुसैनीवाला में पाकिस्तान बार्डर पर स्थित शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव जी की समाधि

की रज लेकर दादरी पहुंचे थे। जिसमें लाल कुआं से दादरी तक 14 किलोमीटर की देशभक्ति संगीतमय पदयात्रा भी आयोजित की गई थी। जिसमें क्षेत्र के हजारों लोगों ने हिस्सा लिया था और पवित्र रज को माथे से लगाया था।

दिनेश भाटी ने बताया कि इस अवसर पर यात्रा में रज उठाने वाले पांच सदस्यों में संस्था के संयोजक एवं सिटी हार्ट एकेडमी के डायरेक्टर संदीप भाटी भी शामिल थे। हुसैनीवाला से रज उठाने के बाद ही 14 अगस्त को खबर मिली थी कि उनके भाई की मौत हो गई है। उसके बावजूद उनकी माता जी ने उन्हें फोन कर कहा था कि बेटा भाई को वापस लाना तो संभव नहीं है, लेकिन तुम शहीदों की पवित्र रज को बीच में मत छोड़ना। वहीं 15 अगस्त को देशभक्ति संगीतमय पदयात्रा में सिटी हार्ट एकेडमी स्कूल के सैकडों बच्चों के द्वारा ऑपरेशन सिंदूर और भगत सिंह जेल डायरी जैसी आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गई। जिसमें संदीप भाटी द्वारा भगत सिंह का किरदार पूरी सिद्दत के साथ निभागया गया। जिससे भगत सिंह जेल डायरी की झांकी पूरी तरह जीवंत हो गई थी। उनके उसी समर्पण और सहयोग को देखते हुए जय हो संस्था की ओर से उन्हें विशेष सम्मान दिया गया है। वहीं छात्र-छात्राओं को भी मैडल पहनाकर उनका उत्साह वर्धन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मंगल पांडेय की भूमिका निभागने वाले वरिष्ठ समाजसेवी सुधीर वत्स को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हिरेंद्रकांत शर्मा एडवोकेट, राव नीरज भाटी, संस्था के संस्थापक कपिल शर्मा एडवोकेट, परमानंद कौशिक, दीपक शर्मा, सुरजीत विकल, सचिन शर्मा, अक्षय शर्मा एडवोकेट, प्रमोद शर्मा आदि लोग मौके पर मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भः i) निविदा सूचना क्रमांक 29/2025–2026 दिनांक 07.07.2025

ii) निविदा संख्या 15245204A 11.09.2025 को देय है।

1. उपरोक्त निविदा के संदर्भ में, दो दस्तावेज़ हटा दिए गए हैं
2. उपरोक्त निविदा के संदर्भ में, पाँच दस्तावेज़ जोड़े गए हैं
3. उपरोक्त निविदा के संदर्भ में, नियत तिथि 21.08.2025 से बढ़ाकर 11.09.2025 कर दी गई है

अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित हैं।

शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया गया है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

2602/25

पृष्ठ एक के शेष....

जापान टेक्नोलॉजी तो...

विस्तार करना चाहती हैं और 75 प्रतिशत पहले से मुनाफे में हैं। इसका मतलब है कि भारत में पूंजी सिर्फ बढ़ती ही नहीं है बल्कि कई गुना हो जाती है।

टोक्यो में भारत-जापान इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत की विकास यात्रा में जापान हमेशा एक अहम पार्टनर रहा है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग तक, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक हमारी पार्टनरशिप आपसी विश्वास का प्रतीक बनी है और जापानी कंपनियों ने भारत में 40 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि टोक्यो में भारतीय समुदाय की गर्मजोशी और स्नेह से वह बेहद अभिभूत हुए। उन्होंने सराहना की कि कैसे भारतीय लोग जापान में रहते हुए समाज में अहम योगदान दे रहे हैं और साथ ही अपनी सांस्कृतिक जड़ों को संजोए हुए हैं। पीएम मोदी ने आगे बताया कि कुछ ही घंटों में वह जापान के बिजनेस लीडर्स के साथ मुलाकात करेंगे, जहां भारत-जापान के व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान टेक्नोलॉजी में पावरहाउस है, तो वहीं भारत टैलेंट का पावरहाउस है। टेक्नोलॉजी और टैलेंट ही नेतृत्व कर सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। पीएम मोदी ने कहा कि 'आज भारत में राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक स्थिरता, नीतियों में पारदर्शिता और पूर्वानुमानशीलता है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। और बहुत जल्द, यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है।'

चमोली में फिर फटा...

के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, जनपद रुद्रप्रयाग के बसुकेदार क्षेत्र के बड़ेथ डुंगर तोक और चमोली जिले के देवाल क्षेत्र में बादल फटने से मलबा आया है। इसकी वजह से कुछ परिवार फंस गए हैं। स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव कार्य तेजी से कर रहा है। मैं लगातार अधिकारियों से संपर्क में हूं और आपदा सचिव व जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बचाव कार्य सही तरीके से और तेजी से किए जाएं।

रुद्रप्रयाग का हनुमान मदिर डूबा

रुद्रप्रयाग जिले में अलकनंदा और मंदाकिनी के संगम पर जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। अलकनंदा नदी खतरे के निशान को पार कर गई है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। नदी का पानी आवासीय घरों तक पहुंच गया, जिसके चलते प्रशासन ने प्रभावित घरों को खाली कराया है। हालात इतने गंभीर हैं कि रुद्रप्रयाग का हनुमान मंदिर भी नदी में डूब गया है। वहीं, केदारघाटी के लवारा गांव में मोटरमार्ग पर बना पुल तेज बहाव में बह गया है। छेनागाड़ क्षेत्र में भी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

आठ की मौत,...

बाद एक महिला की जान चली गई, जबकि आठ लोग अभी लापता हैं। इनमें नेपाल के चार श्रमिक भी शामिल हैं। प्रदेश में नदी नाले उफान पर हैं। पौड़ी के श्रीनगर में अलकनंदा नदी का पानी बदरीनाथ हाईवे तक पहुंच गया है। उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री व यमुनोत्री हाईवे अवरुद्ध हैं।

आगरा में एसडीएम...

एसडीएम अपनी कार से वापस लौट रहे थे। इटावा के पास एक्सप्रेस वे पर दर्दनाक हादसे में उनकी जान चली गई। जानकारी के अनुसार राजेश जायसवाल की कार इटावा के पास एक्सप्रेस वे पर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। राजेश जायसवाल किरावली में एसडीएम के पद पर तैनात थे। और वर्तमान में कलेक्ट्रेट में अपर नगर मजिस्ट्रेट का चार्ज संभाल रहे थे। बताया जा रहा है कि कार एक ट्रक से टकराई है।

हादसे के बाद स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी...

बाद वापस लखनऊ आएंगे। हालांकि उनका आधिकारिक कार्यक्रम अभी नहीं आया है। बताया गया कि कंपनी डिफेंस से जुड़े उत्पाद का निर्माण करेगी। सीएम यहां तकनीक से वाकिफ होंगे। हालांकि प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे या नहीं इसको लेकर भी असमंजस है। दरअसल ग्रेटर नोएडा के एक्सपोमार्ट में 25 से 29 सितंबर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन होना है। इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री समीक्षा बैठक कर सकते हैं।

वहीं सीएम विजिट को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी किए जा रहे है। आपको बता दें कि इससे पहले सीएम बीते 8 मार्च को नोएडा और ग्रेटर नोएडा आए थे। यहां कंपनियों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया था। निवेश के नजरिए से लगातार सीएम नोएडा आ रहे है ताकि कंपनियां समय से फंक्शनल हो सके और लोगों को रोजगार मिले।

लूट की साजिश...

उनके पास से तमंचा, कारतूस, चाकू व डंडा बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम आकाश, कारण, आशीष व पंकज बताए। पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि वह अंधेरा होने पर लूटपाट की योजना बना रहे थे। उनसे बरामद मोबाइल उन्होंने बीते दिनों सेक्टर 22 में एक रिक्शा चालक के साथ मारपीट कर छीना था। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

बाइक चोर गिरोह...

पकड़े गए बदमाशों ने अपने नाम अफजल, अफरीद व आस मोहम्मद बताया। इनकी निशानदेही पर सेक्टर-62 के पार्क के पास छुपा कर खड़ी की गई चोरी की 10 बाइक बरामद हुई। पकड़े गए अफजल व अफ़रीद दोनों सगे भाई हैं। दोनों भाई रेकी करने के बाद दो पहिया वाहन चोरी करने की वारदातों को अंजाम देते थे। चोरी के वाहनों को दोनों भाई अलीगढ़ निवासी कबाड़ी आस मोहम्मद को बेचते थे। इनके पास से बरामद बाइक में से तीन बाइक थाना सेक्टर-58 तथा दो बाइक दिल्ली के विभिन्न थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। पुलिस अन्य पांच बाइकों के बारे में पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह बाइक कहां से चोरी की गई थी।

कंपनी के गोदाम...

तैनात सिक्योरिटी गार्ड अभिषेक कुमार ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर तीन मार्च 2025 की रात्रि को चोरी की घटना को अंजाम दिया था। अभिषेक कुमार अपने साथियों की मदद से कंपनी से सामान चोरी कर वाहन में भरकर ले गया था। कंपनी से चोरी गए सामान की कीमत लाखों रुपए है।

पुलिस का कहना है कि एचआर मैनेजर की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। नामजद आरोपी अभिषेक कुमार व उसके साथियों की तलाश की जा रही है।

छात्रा को भगा ले...

उसकी बेटी 26 अगस्त की दोपहर को घर से बिना बताए चली गई जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। पूजा का कहना है कि उसकी बेटी मंदबुद्धि है।

कट बंद किए बिना...

ऐसे में इनको काट कर सड़क चौड़ी करना मुश्किल है। नोएडा प्राधिकरण यहां पर सेक्टर-11 मदर डेयरी, भाऊ राव देवरस कॉलेज, बिजली घर समेत चार बड़े प्रमुख कटों को बंद भी नहीं किया है। ऐसी स्थिति में डिवाइडर बनाने से हमेशा जाम लगा रहेगा। उन्होंने इसकी लिखित शिकायत भी नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से की है।

वही सेक्टर-12 के लोग भी इस डिवाइडर को लेकर काफी विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि यहां पर डिवाइडर की कोई आवश्यकता नहीं थी। डिवाइडर लगाने से किसी बड़े वाहन के खराब होने से सड़कों पर घंटे जाम लग जाएगा।

किराएदार ने शराब...

वह बुरी तरह से घायल अपने बेटे शिवम को उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

घर व पीजी में...

लगा ताला टूटा हुआ मिला। घर के भीतर जाने पर पता चला कि चोर अलमारी में रखी सोने की अंगूठी, डायमंड का पेंडेंट, सोने की चेन, एक जोड़ी पायजेब, 30 हजार रुपए,एलइडी टीवी को चोरी कर ले गए हैं। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

वहीं थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के रुद्रा होम्स पीजी में रहने वाले वैभव गुप्ता के कमरे का ताला तोड़कर चोरों ने लैपटॉप, पर्स, आधार कार्ड, पैन कार्ड, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड सहित अन्य दस्तावेज चोरी कर लिए। पीड़ित के मुताबिक वह शाम को चाय पीने व कुछ सामान लेने के लिए बाजार गया था। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटा तो उसे अपने कमरे का ताला टूटा हुआ मिला। पीजी में लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग देखने पर एक व्यक्ति ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम देता हुआ दिखाई दिया। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर चोर की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

तीन महीने बाद चोरी की रिपोर्ट दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के अगाहपुर गांव में किराए पर रहने वाले एक व्यक्ति के घर से लाखों रुपए की चोरी हो गई। चोर साढ़े तीन लाख रुपए नगद तथा एक लाख रुपए के जेवर चोरी कर ले गए।

अगाहपुर गांव में किराए पर रहने वाले राज राणा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 24 जून को चोरों ने उसके घर से साढ़े तीन लाख रुपए नगद व एक लाख रुपए के जेवरात चोरी कर लिए। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि पीड़ित ने ऑनलाइन इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

ये है दुनिया का वो अनोखा पक्षी जो सिर्फ पीता है बारिश का पानी

दुनिया में आपको पक्षियों की बहुत सी प्रजातियां देखने को मिल जाएंगी। जैव विविधता के साथ अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग तरह की पक्षी पाई जाती हैं। किसी को दिन में दिखाई नहीं देता तो कोई अपना घोसला नहीं बनाता है। यही नहीं, कुछ पक्षी ऐसे भी हैं, जिसे केवल रात में दिखाई देता है। इस तरह के और भी कई गुणों से मशहूर विश्व में कई ऐसे पक्षी हैं, जो काफी मशहूर हैं। एक ऐसा ही पक्षी भारत में भी पाया जाता है, जो कि धरती पर मौजूद पानी के स्त्रोत का इस्तेमाल नहीं करता है, बल्कि वह बारिश के पानी पर ही आश्रित होता है। इसकी यही खासियत है कि यह सिर्फ बारिश का पानी ही पीता है।

सिर्फ बारिश का पानी पीने वाले इस पक्षी का नाम क्या है?

बरसात के पानी पर जिंदा उस पक्षी का नाम- जैकोबिन कोयल यानी चातक है, जो कि धरती पर मौजूद पानी के किसी स्रोत का इस्तेमाल नहीं करता है। इस पक्षी को कई जगहों पर पपीहा भी कहा जाता है। इसकी अनोखी बात यह है कि अगर चातक पक्षी को साफ पानी की झील में भी डाल दिया जाए तो भी यह अपनी चोंच बंद कर लेता है और पानी नहीं पीता है। धरती पर मौजूद सबसे अनोखे जीवों में से एक है, जिसे कितनी भी प्यास क्यों न लग जाए, वह किसी भी तरह का पानी नहीं पीता है। यहां तक कि इकट्ठा किया हुआ बारिश का पानी भी नहीं वो नहीं पीता है।

भारत में कहां पाया जाता है यह पक्षी?

भारत में यह पक्षी मुख्य रूप से उत्तराखंड में पाया जाता है। उत्तराखंड के गढ़वाल में इसे चोली कहते हैं। गढ़वाल के लोगों के अनुसार यह बस आसमान की ओर देखता रहता है। चातक को मारवाड़ी में मघवा और पपीया भी कहते हैं। यह एक लंबी पूंछ वाला पक्षी है, जिसके सिर पर एक कलगी होती है। पक्षी का आकार लगभग मैना के बराबर होता है। इस पक्षी का वैज्ञानिक नाम क्लैमेटर जैकोबिन्स है। बारिश के पानी के बिना भी यह पक्षी कई दिनों तक जीवित रह सकता है। ऐसा कहा जाता है कि जब इस पक्षी को प्यास लगती है तो यह बारिश के देवता को बुलाता है।

रहस्यमयी है वेनेजुएला की मैराकाइबो झील, साल के 300 दिन चमकती है बिजली

वेनेजुएला की मैराकाइबो झील दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से एक है. यह झील आज भी रहस्यमय बनी हुई है कि आखिर किस वजह से साल के 300 दिन यहां बिजली चमकती है?

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप में बना हुआ एक देश है. वैसे तो अक्सर वेनेजुएला महंगाई की वजह से सुर्खियों में बना रहता है, इसके अलावा भी कई कारण हैं जिसकी वजह से वेनेजुएला हमेशा चर्चा का विषय बना रहता है.

वेनेजुएला की मैराकाइबो झील के बारे में तो आपने जरूर सुना होगा. यूरोपियन स्पेस एजेंसी का मानना है कि मैराकाइबो झील दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से एक है, जो लगभग 35 मिलियन साल पुरानी है. ये झील आम झीलों के मुकाबले काफी बड़ी है. वैज्ञानिकों का मानना है कि लाखों वर्षों में इस झील का पानी और तली कई बार बदलावों से गुजरी होगी. तो अब सवाल यह है कि क्या इसी दौरान झील की तलहटी में कुछ ऐसा जम गया है जिसकी वजह से इस जगह पर सबसे ज्यादा बिजली चमकती है?

यूरोपियन स्पेस एजेंसी का मानना है कि यह झील दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से एक है, जिसका निर्माण 35 मिलियन साल पहले हुआ होगा। यह झील साढ़े 13 हजार वर्ग किलोमीटर में फैली है, जो दूसरी झीलों से काफी बड़ी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि लाखों सालों में इसके पानी और तली में कई बार बदलाव हुआ होगा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या झील की तलहटी में कुछ जमा है, जिसकी वजह से यह दुनिया की सबसे ज्यादा बिजली चमकने वाला स्थान बन गया है। यह अभी तक रहस्य है और इसकी जानकारी किसी के पास नहीं है। अमेरिकन मेटेरोलॉजिकल सोसायटी ने नवंबर 2016 में एक स्टडी की थी, जिसमें पता चला था कि मैराकाइबो झील में एक साल में 297 दिनों तक लगातार हर मिनट करीब 25 से 40 बार बिजली चमकती है। रोशनी इतनी अधिक होती है कि स्थानीय लोग पढ़ाई-लिखाई जैसे काम भी कर लेते हैं।

अफ्रीका के कांगो बेसिन के पास पहले यह दर्जा था। दुनिया की कई पहाड़ी और पानी वाली जगहों के बारे में दुनिया के देशों ने अलग-अलग अपने दावे किए हैं, लेकिन बिजली चमकने के मामले में वेनेजुएला की यह झील सबसे आगे है। सबसे पहले 16वीं सदी में एक स्पेनिश पर्यटक अमेरिको वेस्पकी ने इस जगह को खोजा था। स्थानीय लोग तब भी इस जगह के बारे में जानते थे, लेकिन डर की वजह से आसपास रहने से डरते थे।

स्थानीय लोगों का मानना था कि यह कुदरती नहीं है, बल्कि इसके पीछे भूत-प्रेत हैं। करीब 300 साल बाद यहां पर झील के किनारे-किनारे आबादी बसने लगी। झील को रहस्यमयी मानने वाले और डरने वाले लोगों के लिए यह रोजगार पैदा करने लगी है। अजीबोगरीब चीजों को देखने वाले पर्यटक यहां पर आने लगे। वह बिजली को चमकते हुए देखने के लिए आते हैं। यहां पर पर्यटक सितंबर से लेकर नवंबर के दौरान आते हैं। यहां पर बिजली पूरे दिन और पूरी रात चमकती है। यहां पर पर्यटक झील के किनारे बने छोटे-छोटे घरों में रहते हैं और इसका अनुभव करते हैं। आकाशीय बिजली गिरने के दौरान कई बार टूरिस्ट्स को खास सावधानी बरतनी होती है। लेकिन कई बार मछुआरे इसकी चपेट में आकर जान गंवा बैठते हैं।

एक मिनट मे कितनी बार चमकती है बिजली?

सन 2016 मे, अमेरिकन मेटेरोलॉजिकल सोसायटी ने एक स्टडी की और उस स्टडी में पाया गया कि मैराकाइबो झील में एक साल में लगभग 297 दिनों तक लगातार बिजली चमकती है और हर एक मिनट मे 25 से 40 बार बिजली चमकती है. इसी वजह से इस जगह को लाइटनिंग कैपिटल ऑफ वर्ल्ड का नाम दिया है. बिजली चमकने की रोशनी इतनी ज्यादा तेज होती है कि लोग रात के समय में उस रोशनी में पढ़ाई-लिखाई जैसे काम भी कर लेते हैं.

क्या भूत प्रेत है इसका कारण?

स्पेनिश सैलानी अमेरिको वेस्पकी ने 16वीं सदी में इस झील की खोज की. आपको बता दें कि लोकल लोग तब भी इस जगह के बारे में जानते थे, लेकिन डर के कारण कोई भी झील के आसपास नहीं जाता था. वहां के लोगों का यह मानना था कि ये कुदरती तो बिल्कुल भी नहीं है, बल्कि इसके पीछे भूत-प्रेतों का हाथ है. लगभग 3 सौ सालों के बाद इस झील के किनारे आबादी बसने लगी. जो लोग पहले इस झील को रहस्यमयी मान कर उससे डरते थे, अब वही झील उनके लिए रोजगार का जरिया बन गयी.

झील को देखने के लिए बढ़ा टूरिज्म

कुछ टूरिस्ट अजीबोगरीब जगह देखने के बहुत बड़े शौकीन होते हैं, वही टूरिस्ट यहां पर बिजली चमकना देखने के लिए आते हैं. यही कारण है कि इसे लाइटनिंग टूरिज्म कहा जाता है. टूरिस्ट सितंबर और नवंबर के समय में यहां आते हैं, ताकि बिजली को पूरे दिन और पूरी रात चमकते हुए देख सकें.

बिजली चमकने का कारण

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि सालभर बिजली के चमकने का असली कारण नमी, तापमान और स्थान है. झील के दक्षिण की ओर एंडीज पर्वत है और उत्तर में कैरेबियन सागर है. सागर की तरफ से चलने वाली गर्म और नम हवा जब पर्वत की तरफ से चलने वाली ठंडी हवा से टकराती है, तो ये बिजली चमकती है. कुछ वैज्ञानिक इस थ्योरी से इंकार करते हैं और उनके अनुसार, लाखों सालों में इस झील का पानी और तली कई बार बदलावों से गुजरी है, जिसकी वजह से झील के तल में मीथेन गैस जमा हो गई. जब झील के तल मे जमी मिथेन गैस ऊपर की तरफ उठकर वातावरण की गैस से मिलती है, तब बिजली चमकती है. अब भी वैज्ञानिक इसके रहस्य को समझने के लिए कई प्रयोग कर रहे हैं.

गैस सिलेंडर पर लिखे कोड का क्या होता है मतलब?

रसोई गैस सिलेंडर पर लिखा कोड, सिलेंडर की एक्सपायरी डेट और टेस्टिंग की तारीख बताता है। यह कोड अक्षर और नंबर के रूप में लिखा होता है। कोड में अक्षरों का मतलब महीना और नंबरों का मतलब साल होता है।

आपने कभी गौर किया है कि आपके घर में आने वाले गैस सिलेंडर पर कुछ अंक और अक्षर लिखे होते हैं? ये कोड यूं ही नहीं लिखे होते हैं, इनका एक खास मतलब होता है। ये कोड सिलेंडर की सुरक्षा और उसकी मरम्मत से जुड़ी जरूरी जानकारी देते हैं।

गैस सिलेंडर पर लिखे कोड का क्या होता है मतलब?

रसोई गैस सिलेंडर पर लिखा कोड, सिलेंडर की एक्सपायरी डेट और टेस्टिंग की तारीख बताता है। यह कोड अक्षर और नंबर के रूप में लिखा होता है। कोड में अक्षरों का मतलब महीना और नंबरों का मतलब साल होता है। अक्षरों के बाद लिखा नंबर सिलेंडर के एक्सपायर होने वाले साल के बारे में बताता है। जैसे, अगर आपके सिलेंडर पर C-23 लिखा है, तो इसका मतलब है कि आपका रसोई गैस सिलेंडर साल 2023 में जुलाई से सितंबर के बीच में एक्सपायर होगा। इसी तरह A-26 का मतलब है कि सिलेंडर की एक्सपायरी 2026 अप्रैल तक है। गैस सिलेंडर की अधिकतम लाइफ 15 साल होती है। इस दौरान गैस कंपनियां उस सिलेंडर की दो बार जांच करती हैं। पहला टेस्ट 5 साल पूरे होने पर और दूसरा टेस्ट 10 साल बाद किया जाता है। ये परीक्षण विवरण सिलेंडर के ऊपर भी लिखे होते हैं। अगर दोनों तिथियां बीत चुकी हैं, तो उस सिलेंडर को लेने से मना कर देना चाहिए। ऐसा न करने पर विस्फोट का खतरा बढ़ जाता है।

गैस सिलेंडर में एबीसीडी का मतलब क्या होता है?

- गैस सिलेंडर पर लिखे कोड में A, B, C और D का मतलब महीनों से होता है। इन अक्षरों को तीन-तीन महीनों में बांटा गया है।
- A का मतलब जनवरी, फरवरी और मार्च होता है।
- B का मतलब अप्रैल, मई और जून होता है।
- C का मतलब जुलाई, अगस्त और सितंबर होता है।
- D का मतलब अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर होता है।

इस कोड के साथ सिलेंडर पर साल भी लिखा होता है। जैसे, A-24, B-25, C-26 या D-27। इन कोड से यह पता चलता है कि सिलेंडर कब तक वैलिड है। अगर सिलेंडर पर A-24 लिखा है, तो इसका मतलब है कि यह साल 2024 में जनवरी से मार्च के बीच एक्सपायर हो जाएगा। इस तरह, सिलेंडर पर लिखे कोड से उसकी एक्सपायरी डेट का पता चलता है। गैस सिलेंडर पर ऊपर की तरफ तीन चौड़ी पट्टियां होती हैं। इनमें से एक पट्टी पर ही यह कोड लिखा होता है।

इन बातों पर ध्यान दे सकते हैं

- गैस सिलेंडर के कंधे वाले हिस्से पर गैस का नाम, निर्माता, वजन, दबाव, और आयतन के बारे में जानकारी होती है।
- सिलेंडर पर आपूर्तिकर्ता द्वारा लगाए गए लेबल से भी सिलेंडर की सामग्री का पता चलता है।
- कमर्शियल गैस सिलेंडर आमतौर पर घरेलू गैस सिलेंडर से बड़े होते हैं और इनका वजन भी ज्यादा होता है।
- घरेलू गैस सिलेंडर का वजन 14.2 किलो होता है, जबकि कमर्शियल गैस सिलेंडर का वजन 19 किलो से लेकर 47.5 किलो तक हो सकता है।
- कमर्शियल गैस सिलेंडर पाने के लिए, कमर्शियल गैस कनेक्शन के लिए आवेदन करना होता है। इसके लिए, कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निकटतम वितरक का पता लगाया जा सकता है। फिर, आवेदन पत्र और जरूरी दस्तावेज जमा करने होते हैं और सुरक्षा जमा राशि का भुगतान करना होता है। इसके बाद, सदस्यता वाउचर और गैस उपभोक्ता कार्ड जारी किया जाता है।

ये है दुनिया का सबसे महंगा और लग्जरी होटल बुर्ज अल अरब

इस दुनिया में छोटी से लेकर बड़ी और सस्ती से लेकर महंगी हर तरह की चीज और जगह मौजूद है। कोई सामान खरीदना हो या फिर किसी जगह जाना हो। हर व्यक्ति का अपना एक बजट होता है इसके हिसाब से वह अपने सारे काम करता है। अलग-अलग बजट के लोगों के हिसाब से अलग-अलग जगह पर सब कुछ उपलब्ध भी होता है। जिन लोगों का बजट कम या मध्यम होता है वह सामान्य तरह की चीज करके खुश रहते हैं और जिनका बजट ज्यादा होता है वह हमेशा लग्जरी चीजें करना पसंद करते हैं। अब जब बात लग्जरी के निकल गई है तो क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में सबसे महंगी और लग्जरी होटल कहां पर होगी।

लगभग हर शहर में छोटी से लेकर बड़ी होटल उपलब्ध रहती है। सामान्य होटल से लेकर 5 स्टार 7 स्टार हर व्यक्ति अपनी पसंद और हैसियत के हिसाब से इन जगहों पर जाता है। आज हम आपको दुनिया के सबसे महंगे और लग्जरी होटल के बारे में जानकारी देते हैं जो दुबई में मौजूद है।

बुर्ज अल अरब

दुबई एक ऐसी जगह है जो अपनी ऊंची ऊंची और लग्जरी इमारतों के लिए पहचाना जाता है। जब आप यहां पर जाएंगे तो गगनचुंबी इमारतें और यहां मिलने वाली लग्जरी सुविधाएं देख कर हैरान हो जाएंगे। दुनिया का सबसे लग्जरी और महंगा होटल बुर्ज अल अरब है जो दुबई में ही मौजूद है। दुनिया के सबसे महंगे और लग्जरी होटल के रूप में प्रसिद्ध बुर्ज अल अरब से आप समुद्र के बेहतरीन नजारे देख सकते हैं। इस होटल के हर कमरे से दूर तक फैला हुआ नीला समंदर दिखाई देता है। यहां आप रेस्टोरेंट, बार, स्पा,स्विमिंग पूल, फ़िटनेस सेंटर जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

चढ़ी है सोने की परत

यह बात किसी को भी हैरान कर सकती है। लेकिन इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक इस होटल के दरवाजे से लेकर हर खंबे पर सोने की परत चढ़ी हुई है। यही इस होटल को लग्जरी बनाने का काम करती है।

दुबई का आइकॉनिक लैंडमार्क

यह होटल 321 मीटर ऊंची है और समुद्र के अंदर 148 फीट तक गई है। इसका आकार भी काफी खास है और यह दुबई की सबसे आइकोनिक लैंडमार्क में से एक मानी जाती है। दूर से ही यह होटल काफी खूबसूरत नजर आती है। अंदर जाने के बाद यहां की लग्जरी सुविधाएं हैरान करने वाली होती है।

लाखों रुपए है रुकने का खर्च

यह होटल इतना आलीशान है कि यहां जाने के बाद आपको राजा महाराजाओं वाली फीलिंग आने वाली है। यहां एक दिन रुकने का किराया 20 लाख रुपए तक लगता है। लेकिन लाखों रुपए के किराए में आपको जो सुविधा मिलेगी। वो आप जिंदगी में कभी नहीं भूल पाएंगे।

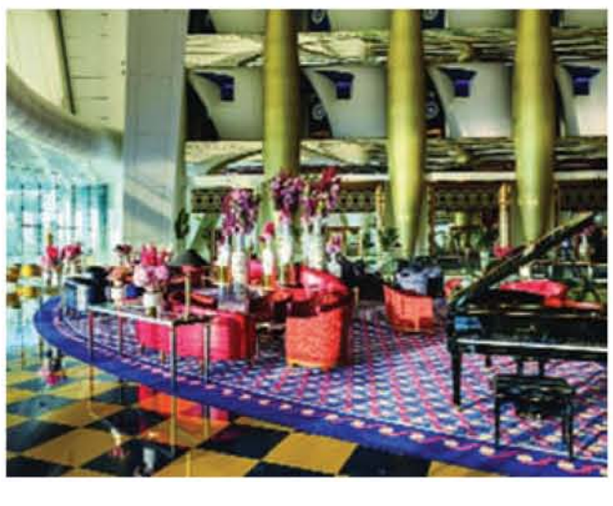

जन-धन योजना के पूरे हुए 11 साल, पीएम मोदी बोले- इसने लोगों को अपना भाग्य खुद लिखने की शक्ति दी?

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि इस योजना ने लोगों को अपना भाग्य खुद लिखने की शक्ति दी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब अंतिम पर खड़ा व्यक्ति वित्तीय रूप से जुड़ जाता है तो पूरा देश एक साथ आगे बढ़ता है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना आज ही के दिन शुरू की गई थी।

यह एक राष्ट्रीय मिशन है जिसमें देश के सभी परिवारों के व्यापक वित्तीय समावेशन के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण शामिल है। इस योजना में प्रत्येक परिवार के लिए कम से कम एक बुनियादी बैंकिंग खाता, वित्तीय साक्षरता, ऋण, बीमा और पेंशन सुविधा तक पहुंच के साथ बैंकिंग सुविधाओं तक सार्वभौमिक पहुंच की परिकल्पना की गई है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जब अंतिम व्यक्ति वित्तीय रूप से जुड़ा होता है, तो पूरा देश एक साथ आगे बढ़ता है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना से यही हासिल हुआ। इसने सम्मान बढ़ाया और लोगों को अपना भाग्य खुद लिखने की शक्ति दी। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में 'माइगोव' द्वारा किया गया एक पोस्ट साझा किया जिसमें बताया गया कि कैसे प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने पूरे भारत में जीवन बदल दिया। इस पोस्ट में कहा गया, "गणित के सूत्र नहीं, बल्कि भारत के विकास के सूत्र। भारत की वित्तीय क्रांति एक विचार से प्रेरित है नवाचार के माध्यम से समावेशन। अंतिम छोर तक बैंकिंग से लेकर महिला-नेतृत्व वाले सशक्तीकरण तक, पारदर्शी डीबीटी हस्तांतरण से लेकर शासन में विश्वास तक, प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने भारत में बैंकिंग, बचत और विकास के तरीके को बदल दिया है।" 'माइगोव' के एक अन्य पोस्ट में कहा गया, "11 साल पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत से वादा किया था कि कोई भी गरीब परिवार बैंकिंग की दुनिया से बाहर नहीं रहेगा। जन-धन कभी भी केवल खातों के बारे में नहीं था, यह एक माँ के लिए सम्मान के साथ बचत करने, एक किसान को बिचौलियों के बिना सहायता प्राप्त करने और एक ग्रामीण को राष्ट्र के विकास का हिस्सा महसूस करने के लिए दरवाजे खोलने के बारे में था।' इसमें कहा गया, 'प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण ने वित्तीय समावेशन को वास्तविकता में बदल दिया, जिससे हर घर में आशा और हर जीवन में आत्मविश्वास आया।'

हरियाणा में लाडो लक्ष्मी योजना लागू: सीएम नायब सैनी का एलान

चंडीगढ़ , एजेंसी।

हरियाणा में दीन दयाल उपाध्याय लाडो लक्ष्मी योजना लागू करने की घोषणा कर दी गई है। योजना 25 सितंबर से लागू होगी। सीएम नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इसका एलान किया गया। कैबिनेट की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में सीएम सैनी ने कहा कि कैबिनेट ने महिलाओं की सामाजिक

सुरक्षा और सम्मान के लिए दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लागू करने का निर्णय लिया। पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर 25 सितंबर 2025 से इस योजना का शुभारम्भ होगा। सीएम ने बताया कि इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। 25 सितंबर को हरियाणा की 23 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। इसमें विवाहित और अविवाहित दोनों ही तरह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। पहले चरण में, उन परिवारों को शामिल किया गया है, जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है। आने वाले समय में, चरणबद्ध तरीके से अन्य आय समूह को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए अविवाहित महिला का या विवाहित महिला के पति का हरियाणा में पिछले 15 साल से मूल निवासी होना अनिवार्य होगा। इस योजना के तहत एक परिवार में महिलाओं की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। यदि एक परिवार में तीन महिलाएं हैं, तो उन तीनों महिलाओं को लाभ मिलेगा। सीएम ने कहा कि सरकार द्वारा पहले से चलाई जा रही ऐसी नौ योजनाओं, जिनमें आवेदिका को पहले से ही अधिक राशि की पेंशन का लाभ मिल रहा है, उन्हें लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। स्टेज 3 और 4 कैंसर पीड़ित मरीजों (महिलाओं),सूचीबद्ध 54 दुर्लभ बीमारियों, हीमोफिलिया, थैलेसिलमिया और स्किन सेल से पीड़ित मरीजों को पहले से पेंशन मिल रही है। इन महिलाओं को इस योजना का भी अतिरिक्त लाभ भी मिलेगा। जिस दिन कोई अविवाहित लाभार्थी 45 वर्ष की आयु पूरा करेगी उस दिन वे ऑटोमैटिक विधवा और निराश्रित महिला वित्तीय सहायता योजना के लिए पात्र हों जाएंगी। जिस दिन लाभार्थी महिला 60 वर्ष की आयु की होगी, उस दिन वे ऑटोमैटिक वृद्धावस्था सम्मान भत्ता पेंशन योजना के लिए पात्र हो जाएगी। सीएम ने कहा कि हमारा अनुमान है कि पहले चरण में लगभग 19-20 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। आने वाले 6 या 7 दिनों में योजना की गजट नोटिफिकेशन कर देंगे। साथ ही एक ऐप भी लॉन्च करेंगे, जिसके जरिए पात्र लाभार्थी महिलाएं घर बैठे ही इस योजना के लिए आवेदन कर सकती हैं।

जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी'; आर-पार के मूड में ष्टरूममता बनर्जी

कोलकाता , एजेंसी।

बिहार के बाद अन्य राज्यों में गहन मतदाता पुनरीक्षण को लेकर सियासी विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष इसे लेकर लगातार मोदी सरकार और चुनाव आयोग का विरोध कर रहा है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने खुले शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने

कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा की एक रैली को संबोधित करते कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने देंगी। कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा की रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने के उद्देश्य से सर्वेक्षण करने के लिए देश भर से पश्चिम बंगाल में 500 से ज्यादा टीमें तैनात की हैं। रैली में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि अब आपको खुद जांच करनी होगी कि आपका नाम अभी भी मतदाता सूची में है या कट गया है। उन्होंने आगे कहा कि जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी। सीएम बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा किया कि आयोग का अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान के तीन महीनों तक है, पूरे साल नहीं। आगे बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बंगालियों द्वारा निभाई गई भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर बंगाली भाषा ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस भाषा में लिखे गए हैं? वे चाहते हैं कि लोग स्वतंत्रता संग्राम में बंगालियों की ऐतिहासिक भूमिका को भूल जाएं। हम इस भाषाई आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगे इस दौरान सीएम ममता ने बिना नाम लिए वीर सावरकर पर भी गंभीर आरोप लगाए।

बिल पर राष्ट्रपति-राज्यपाल के फैसलों के खिलाफ याचिका दायर नहीं कर सकते राज्य, केंद्र की दलील

नई दिल्ली , एजेंसी।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि राज्य सरकारें उस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका (मामला) नहीं कर सकतीं जो राष्ट्रपति या राज्यपाल ने विधानसभा से पास हुए विधेयकों पर लिया हो, चाहे राज्य यह कहे कि इससे लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह बात चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ के सामने कही। संविधान पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल थे। मेहता ने कहा कि राष्ट्रपति इस बात पर सुप्रीम कोर्ट की राय लेना चाहती हैं कि क्या राज्य सरकारें संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिकाएं दायर कर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति यह भी जानना चाहती हैं कि संविधान के अनुच्छेद 361 का दायरा क्या है। यह अनुच्छेद

कहता है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने अधिकारों और कर्तव्यों के निर्वहन के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे। मेहता ने संविधान पीठ को बताया कि इन सवालों पर पहले भी चर्चा हुई है। लेकिन राष्ट्रपति का मत है कि अदालत की स्पष्ट राय जरूरी है, क्योंकि भविष्य में ऐसा मामला फिर उठ सकता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 32 के तहत राज्य सरकार की ओर से राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसलों को चुनौती देने वाली याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती। न तो कोर्ट ऐसे मामलों में कोई निर्देश दे सकता है और न ही इन फैसलों को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने आगे कहा, अनुच्छेद 32 का उपयोग तब किया जाता है, जब मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। लेकिन सांविधानिक ढांचे में राज्य सरकार खुद मौलिक अधिकार नहीं रखती। राज्य सरकार की भूमिका यह है कि वह अपने नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करे। सॉलिसिटर जनरल ने आठ अप्रैल के उस फैसले का भी जिक्र किया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर राज्यपाल समयसीमा के भीतर विधेयकों पर फैसला नहीं करते तो राज्य सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकते हैं। इस पर सीजेआई गवई ने कहा कि वह आठ अप्रैल के दो जजों के फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन यह भी कहा कि राज्यपाल का किसी विधेयक को छह महीने तक लंबित रखना सही नहीं है। मेहता ने जवाब में कहा कि अगर एक सांविधानिक संस्था अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करती, तो इसका मतलब यह नहीं कि कोर्ट दूसरी सांविधानिक संस्था को आदेश दे। इस पर सीजेआई ने कहा, हां, हम समझ रहे हैं कि आप क्या कह रहे हैं। लेकिन अगर यह अदालत ही किसी मामले को 10 साल तक नहीं सुलझाए, तो क्या राष्ट्रपति को कोई आदेश देने का हक होगा? सुनवाई अभी जारी है। 26 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने यह सवाल उठाया था कि अगर कोई राज्यपाल किसी विधेयक पर अनिश्चितकाल तक फैसला नहीं लेता तो क्या अदालत के पास कोई उपाय नहीं रहेगा? क्या राज्यपाल की स्वतंत्र शक्ति के चलते बजट जैसे जरूरी विधेयक भी अटक सकते हैं? शीर्ष कोर्ट ने यह सवाल तब उठाया जब कुछ भाजपा शासित राज्यों ने कहा कि राज्यपाल और राष्ट्रपति को विधेयकों पर फैसला लेने में पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिए। इन राज्यों ने यह भी कहा कि कोर्ट हर समस्या का हल नहीं हो सकती। सुप्रीम कोर्ट अभी राष्ट्रपति की ओर से भेजे गए उस सांविधानिक संदर्भ पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें पूछा गया है कि क्या अदालत राज्यपाल और राष्ट्रपति को यह निर्देश दे सकती है कि वे विधानसभा से पारित हुए विधेयकों पर तय समयसीमा में निर्णय लें? मई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी थी कि क्या अदालत राष्ट्रपति को निर्देश दे सकती है कि वह राज्य विधानसभा से आए विधेयकों पर कब और कैसे फैसला लें।

स्कूलों की शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का किया निरीक्षण

मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा चांडक के साथ अन्य अधिकारी रहे मौजूद

एजेंसी

अमरावती. मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा चांडक ने आज बेलपुरा में नगर निगम द्वारा नवनिर्मित शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण किया।इनमें नगर निगम प्राथमिक अर्ध-अंग्रेजी स्कूल क्रमांक 7, नगर निगम प्राथमिक हिंदी अर्ध-अंग्रेजी स्कूल क्रमांक 3 और स्वास्थ्य संवर्धन केंद्र शामिल हैं। ये नवनिर्मित शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य सुविधाएं जल्द ही नागरिकों के लिए खोल दी जाएँगी। आयुक्त ने दरोगा प्लॉट, कहकशा कॉलोनी और काज़ियन नगर में चल रहे स्वास्थ्य संवर्धन केंद्रों के निर्माण का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन सभी परियोजनाओं का कार्य युद्धस्तर पर पूरा करने के लिए सभी सुविधाओं को लागू करने के स्पष्ट निर्देश दिए। आयुक्त ने उक्त क्षेत्र के नागरिकों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जाना। आयुक्त सौम्या शर्मा चांडक ने कहा कि नगर निगम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।नगर निगम आयुक्त सौम्या शर्मा चांडक ने निर्देश दिए कि स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र खोले जाएँ। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि नवनिर्मित स्कूल क्रमांक 7 (अर्ध अंग्रेजी) और स्कूल क्रमांक 3 (हिंदी अर्ध अंग्रेजी) के साथ-साथ स्वास्थ्य संवर्द्धन केंद्र को नागरिकों के लिए चालू किया जाए। सफाई और आवश्यक सुविधाएं तुरंत पूरी की जाएं। छात्रों के लिए उचित बैठने की व्यवस्था, सफाई, पेयजल सुविधाएं और शौचालयों को तुरंत पूरा किया जाए। जिन स्थानों पर निर्माण पूरा हो गया है, वहां गुणवत्ता का निरीक्षण किया जाए। उन्होंने दरोगा प्लॉट, कहकशा कॉलोनी और काजियान नगर में किए जा रहे स्वास्थ्य संवर्द्धन केंद्रों के निर्माण की गुणवत्ता की जांच करने और यह सुनिश्चित करने के आदेश दिए कि कोई त्रुटि न हो। स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद करें। सुविधाएं शुरू करते समय, स्थानीय नागरिकों की प्रतिक्रिया ली जानी चाहिए और उनकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सेवाएं शुरू की जानी चाहिए। सभी काम योजनाबद्ध समय के भीतर पूरे होने चाहिए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इसके लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। इन निर्देशों के साथ, अमरावती के नागरिकों को जल्द ही शैक्षिक और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस निरीक्षण दौरे के दौरान, आयुक्त के साथ पूर्व स्थायी समिति अध्यक्ष राधा राजू कुरील, मनपा के वरिष्ठ अधिकारी शहर अभियंता रवींद्र पवार, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विशाल काले, चिकित्सा अधिकारी (स्वच्छता) डॉ. अजय जाधव, शिक्षा अधिकारी डॉ. प्रकाश मेश्राम, सहायक आयुक्त नंदकिशोर तिखिले, सहायक आयुक्त भूषण पुसाटकर, उप अभियंता प्रमोद इंगोले, विवेक देशमुख, डॉ. संदीप पटबागे, वरिष्ठ स्वास्थ्य निरीक्षक विजय बुरे, अभियंता मंगेश कडू, स्वास्थ्य निरीक्षक, ठेकेदार और स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

मराठा आरक्षण पर जरांगे से सीधी बात करें और अपनी बात पर कायम रहें: संजय राउत

मुंबई , एजेंसी।

शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे से सीधी बातचीत करनी चाहिए और आरक्षण के मुद्दे को धैर्य के साथ सुलझाना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए, राउत ने कहा कि सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले जरांगे से बातचीत की थी। मनोज जरांगे, मराठा समुदाय के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी

में 10 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग कर रहे हैं। जरांगे ने एक बार फिर अपनी मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। जरांगे बुधवार को जालना जिले के अपने पैतृक गांव अंतरवाली सरती से मुंबई के लिए रवाना हो गए हैं। 43 वर्षीय मनोज जरांगे ने 29 अगस्त से राज्य की राजधानी मुंबई के आजाद मैदान में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन शुरू करने का संकल्प लिया है। जरांगे गुरुवार सुबह सैकड़ों समर्थकों के साथ पुणे जिले की जुन्नार तहसील में मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की जन्मस्थली शिवनेरी किले पहुंच गए। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मुख्यमंत्री को मनोज जरांगे से बातचीत करनी चाहिए क्योंकि यह कोई साधारण विरोध प्रदर्शन नहीं है। अगर मराठी मानुष लाखों की संख्या में मुंबई आ रहे हैं, तो आपको उनसे सीधी बातचीत करनी होगी।' उन्होंने कहा, 'महायुति सरकार और देवेंद्र फडणवीस को इस मुद्दे को धैर्यपूर्वक सुलझाना चाहिए और अपनी बात पर कायम रहना चाहिए।' उन्होंने कहा कि मराठी मानुष का मुंबई पर अधिकार है और उन्हें राज्य की राजधानी में आने से नहीं रोका जाना चाहिए। शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि 'अगर लोग कबूतरों के लिए आंदोलन कर सकते हैं और सरकार उन्हें अनुमति देती है, तो मराठी मानुष को भी अपनी मांगों के लिए विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। यह जरूरी है कि मुख्यमंत्री प्रदर्शनकारियों से बातचीत करें। सरकार को गणेश उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था का भी ध्यान रखना चाहिए।' भाजपा पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि जरांगे अपनी मांगें इसी सरकार के सामने रखेंगे, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने नहीं!

एसआईआर के जरिए मतदाता चुन रही भाजपा, अभिषेक बनर्जी बोले- एक भी वैध वोट कटा तो करारा जवाब मिलेगा

कोलकाता , एजेंसी।

टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को भाजपा पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि भगवा पार्टी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए मतदाता चुन रही है और बंगालियों के मताधिकार को छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर एक भी वैध मतदाता को वोटर लिस्ट से हटाया गया तो ऐसी किसी भी कोशिश का नई दिल्ली में विरोध किया जाएगा। अभिषेक बनर्जी ने भाजपा को अगले विधानसभा चुनाव में 50 सीटें जीतने की भी चुनौती दी। टीएमसी की छात्र शाखा की एक रैली को संबोधित करते हुए टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि 'पहले मतदाता सरकार चुनते थे, लेकिन अब भाजपा अलोकतांत्रिक एसआईआर प्रक्रिया के जरिए मतदाताओं का चयन कर रही है। इसके खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। अगर भाजपा एक भी वैध मतदाता को हटाने की कोशिश की, तो हम विरोध में दिल्ली की सड़कों पर उतरेंगे।' अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया, 'भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से बंगाल नहीं जीत सकती, इसलिए वे मतदाता सूची में छेड़छाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि 2026 के चुनाव में जनादेश, 2021 में मिले जनादेश से भी बड़ा होगा। न्यायपालिका का एक वर्ग, भाजपा, केंद्रीय एजेंसियां, हर कोई टीएमसी के खिलाफ है, लेकिन 10 करोड़ बंगाली हमारे साथ हैं। अगर भाजपा में ताकत है, तो वे 50 सीटों का आंकड़ा भी पार करके दिखाए।'

पाकिस्तान के पंजाब में बाढ़ से तबाही, 24 घंटे में 17 की मौत; सुरक्षित जगह पहुंचाए गए लाखों लोग

लाहौर , एजेंसी।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आई भीषण बाढ़ के कारण पिछले चौबीस घंटों में 17 लोगों की मौत हो गई। सैकड़ों गांव पानी में डूब गए हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।. सतलुज, रावी और चिनाब नदियों में आई बाढ़ से बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सड़कों और पुलों को नुकसान पहुंचा है और लाखों एकड़ कृषि भूमि डूब गई है। 13 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले पंजाब प्रांत में यह तबाही मची है। पंजाब की आपातकालीन सेवा के मुताबिक, बीते 24 घंटों में बाढ़ के कारण 17 लोगों की मौत हुई। इनमें सात लोगों की सियालकोट, चार की गुजरात, नारोवाल में तीन, हाफिजाबाद में दो और गुजरांवाला में एक की मौत हुई। अधिकारियों ने बताया कि इन नदियों का जल स्तर सामान्य से बहुत ज्यादा है, जिसकी वजह भारी बारिश के साथ-साथ भारत के बांधों से कथित तौर पर छोड़ा गया अतिरिक्त पानी है। पाकिस्तान के संघीय विकास मंत्री एहसान इकबाल ने भारत पर 'जल आक्रामकता' का आरोप लगाते हुए कहा कि भारत ने अचानक बाढ़ जैसी स्थिति पैदा करते हुए एक तरह से पानी को हथियार बना लिया है।

भारी बारिश और भूस्खलन से तबाही

चंडीगढ़-मनाली एनएच सहित 535 सड़कें ठप, दुश्वारियां बढ़ीं

शिमला , एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश-भूस्खलन से हुई तबाही से दुश्वारियां बढ़ गई हैं। राज्य में सैकड़ों सड़कें, बिजली ट्रांसफार्मर व जल आपूर्ति योजनाएं ठप हैं। कई इलाकों में मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं भी बाधित हैं। पंडोह डैम के साथ लगते कैंची मोड़ के पास चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे का बड़ा हिस्सा गायब हो गया है। अब इसकी जल्द बहाली के आसार कम ही नजर आ रहे हैं। यहां पैदल चलने के लिए भी रास्ता नहीं बचा है। बीती रात को क्षेत्र में हुई भारी बारिश के कारण यहां हाईवे का एक बड़ा भाग पूरी तरह से

जमींदोज हो गया। राज्य में गुरुवार सुबह 10.00 बजे तक 535 सड़कें बंद रहीं। 1,184 बिजली ट्रांसफार्मर व 503 जल आपूर्ति योजनाएं भी ठप हैं। बनाला के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी भूस्खलन हुआ है। सड़क से मलबा हटाया जा रहा है। वहीं, डीसी मंडी अपूर्व देवगन ने कहा कि बनाला में फिलहाल किसी के दबे होने के साक्ष्य नहीं हैं। सांसद कंगना ने किसी के दबे होने की आशंका को लेकर सोशल मीडिया में पोस्ट थी। पोस्ट में कंगना ने प्रशासन के संपर्क में होने की बात लिखी। बड़े मालवाहक वाहनों को नौ मील के पास रोक कर रखा गया था। बनाला में हाईवे को आज बहाल करना था लेकिन उससे पहले कैंची मोड़ के पास यह हाईवे बूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। बनाला में गिरे पत्थरों को तो आज हटा दिया जाएगा लेकिन कैंची मोड़ के पास क्षतिग्रस्त भाग की मरम्मत करने या फिर वैकल्पिक मार्ग तैयार करने में अभी लंबा समय लग सकता है। बता दें कि पिछले कल ही यह हाईवे दवाड़ा के पास तीन दिनों बाद बहाल हुआ था। हालांकि, मंडी से कुल्लू वाया कटौला मार्ग यातायात के लिए बहाल है। एक एक घंटे के अंतराल में छोटे वाहन भेजे जा रहे हैं। कुल्लू-मनाली के लिए अब यही मार्ग शेष है। दूरसंचार विभाग के अपर महानिदेशक ने बताया कि चंबा, कुल्लू और लाहौल-स्पीति में इंट्रा सर्किल रामिंग सुविधा सात दिनों के लिए (तीन सितंबर तक) सक्रिय कर दी गई है।

प्रेग्नेंसी में ये चीजें खाएंगे तो डिलीवरी में नहीं होगी कोई परेशानी, बच्चा भी रहेगा तंदुरुस्त

गर्भावस्था हर महिला के जीवन का एक खूबसूरत समय होता है और इस दौरान स्वस्थ आहार एक प्रमुख भूमिका निभाता है, क्योंकि यह आपके और आपके अजन्मे बच्चे दोनों के पोषण के लिए जरूरी है। अक्सर महिलाएं इस बात को लेकर चिंतित रहती हैं कि वह क्या ऐसा खाएं कि उन्हें प्रेगनेंसी में कॉम्प्लिकेशन ना हो और उनका बच्चा भी तंदुरुस्त रहे। कई बार महिलाएं ऑनलाइन दिखती है या दोस्तों या रिश्तेदारों से सलाह मांगती हैं कि कौन से खाद्य पदार्थ खाने चाहिए और किन चीजों से बचना चाहिए। हालांकि यह जानकारी कई बार सही भी नहीं होती है। ऐसे में पेशेवर की सलाह लेना जरूरी होता है। आज हम आपको एक्सपर्ट की बताए उन खाद्य पदार्थों के बारे में बता रहे हैं जिससे आपको और आपके बच्चे को लाभ पहुंचेगा। आपकी गर्भावस्था यात्रा को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी

- एक्सपर्ट बताती है की प्रेग्नेंसी के दौरान संतुलित आहार खाना आपके बच्चे को विकसित होने के लिए जरूरी है। गर्भावस्था के दौरान अपर्याप्त पोषण से बाद के जीवन में हृदय रोग मधुमेह और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ जाता है।
- गर्भवती माता के लिए अनाज,फलिया मेवे, बीज, फल, सब्जियां लीन मीट,डेरी उत्पादन और समुद्री भोजन से भरपूर संतुलित आहार की सिफारिश की जाती है। यह उनके स्वास्थ्य और भ्रूण के स्वास्थ्य दोनों के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्व की गारंटी देता है।
- गर्भवती महिलाओं को अत्यधिक कैफीन के सेवन के साथ ही पैक्ड जूस से दूर रहने की सलाह दी जाती है।
- दैनिक भोजन में हरी सब्जियों को खाने पर जोर दिया जाता है। इससे कई सारे पोषक तत्व मिलते हैं, खास कर पालक का सेवन करना चाहिए, इसे खून बढ़ाने में मदद मिलती है। इसी तरह पर अपनी डाइट में मौसमी फलों को शामिल करना भी जरूरी है।
- इसके अलावा गर्भवती महिलाओं को बड़े हिस्से के बजाय दिन भर में छोटे-छोटे भोजन का सेवन करना चाहिए। स्वस्थ नाश्ते के विकल्प के रूप में मुट्ठी भर मिक्स मेवे खाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- हाइड्रेशन इन सब में सबसे जरूरी है हर रोज तीन लीटर पानी पीने की सलाह दी जाती है जिसमें सादा पानी, नींबू पानी,छाछ सब्जी या चिकन सूप जैसे अलग-अलग तरल पदार्थ को शामिल किया जा सकता है।
- कच्चे या अधपका मांस को खाने से बचना चाहिए, इनमें हानिकारक पदार्थ मौजूद होते हैं जो कॉम्प्लिकेशंस को बढ़ा सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हार्ट अटैक का खतरा होता है क्योंकि यह खून की नसों को ब्लॉक कर देता है, इसके कुछ लक्षण आपकी उंगलियों में दिख सकते हैं, कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए कुछ आदतों में सुधार जरूरी है।

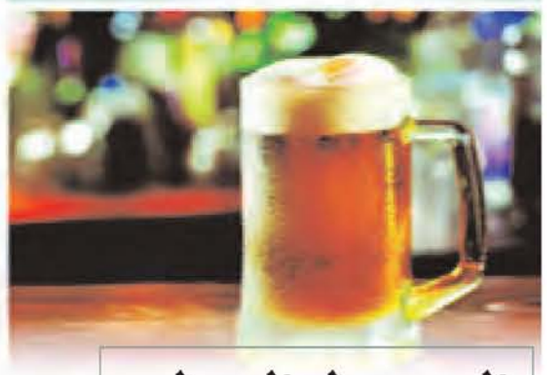

अपने कोलेस्ट्रॉल लेवल पर रखें नजर

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना सेहत के लिए गंभीर संकेत है। इस मोम की तरह दिखने वाले चिपचिपे पदार्थ के बढ़ने से खून की नसें ब्लॉक हो सकती हैं, जिससे ब्लड फ्लो थम सकता है या धीमा हो सकता है। ऐसे होने से आपको कई तरह के दिल के रोग, हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर और जानलेवा समस्याओं का खतरा हो सकता है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए हर किसी के लिए अपने कोलेस्ट्रॉल लेवल पर नजर रखना जरूरी है।

कोलेस्ट्रॉल के क्या लक्षण हैं?

इससे हाथों और पैरों में झुनझुनी महसूस हो सकती है। इसकी वजह यह है कि जब नसों में खून का प्रवाह धीमा हो जाता है या रुकावट होती है, तो शरीर के विभिन्न अंगों तक खून नहीं पहुंच पाता है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण हैं। हाई फैट वाली चीजों का अधिक सेवन, स्मोकिंग, शराब का सेवन, एक्सरसाइज न करना और अधिक वजन होना आदि की वजह से खून में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ सकता है। इस लेख में आप जानेंगे कि कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने से आपको अपने हाथ-पैरों की उंगलियों में क्या-क्या लक्षण महसूस हो सकते हैं और कोलेस्ट्रॉल से बचने के लिए या कम करने के लिए आपको किन गलत आदतों को छोड़ देना चाहिए।

उंगलियों और हथेली में पीलापन

एक रिपोर्ट के अनुसार, खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर त्वचा पीले रंग की नजर आ सकती है, खासतौर पर आंखों के आसपास। कभी-कभी हथेली और पैरों के तलवों में भी पीलापन महसूस हो सकता है।

हाथ-पैरों में झुनझुनी महसूस होना

हाथ-पैरों की उंगलियों की नसों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से आपको उंगलियों में झुनझुनी है। झुनझुनी का मतलब है कि किसी व्यक्ति की त्वचा में जलन, चुभन या सुई चुभोने जैसी अनुभूति होना। ध्यान रहे कि यह डायबिटीज का भी एक लक्षण है।

हाथ-पैरों की उंगलियों में दर्द

हाई कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से हाथ-पैर की उंगलियों में दर्द से भी हो सकता है। जब हाथ-पैरों की रक्त धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा हो जाता है, तो उन्हें छूने से दर्द महसूस हो सकता है।

हथेली पर पीले रंग के धब्बे

खून की नसों में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने पर आपको हथेलियों या पैर के निचले हिस्से पर छोटे पीले और नारंगी रंग के धब्बे नजर आ सकते हैं। यह धब्बे आंखों की ऊपरी पलक पर भी दिख सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के नुकसान

ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने से क्रोनरी आर्टरी डिजीज, पेरिफेरल आर्टरी डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, चेस्ट पेन, पेट दर्द, पित्त की पथरी, नसों में झनझनाहट और पाचन से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं।

छोड़ दें ये आदतें

- ट्रांस फैट, सैचुरेटेड फैट और रिफाइंड वाली चीजों के सेवन से कोलेस्ट्रॉल तेजी से बढ़ता है, इसलिए ऐसे चीजों से तौबा कर लें।
- अगर आप स्मोकिंग या ड्रिंक करते हैं, तो आज ही से इनसे दूरी बना लें। यह चीजें खून में तेजी से बैड कोलेस्ट्रॉल बनाती हैं।

- अगर आपका वजन बढ़ रहा है और आप इसे कंट्रोल करने के लिए कुछ नहीं कर रहे तो आपको कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का ज्यादा खतरा है।
- एक्सरसाइज नहीं करना कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का बड़ा कारण है। अगर आप किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी में शामिल नहीं हो रहे, तो सतर्क हो जाएं।
- बहुत अधिक तनाव में रहना भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का एक कारण है। स्ट्रेस हार्मोनल बढ़ने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का उत्पादन होता है।

बीपी रखना है नॉर्मल तो रोज सुबह पिएं गर्म पानी

शरीर के लिए पानी कितना अहम है इसके बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर रोज सुबह खाली पेट आप गर्म पानी पिएं तो हेल्थ को कई फायदे होते हैं।

पाचन रहे दुरुस्त

गर्म पानी पाचन में मदद करता है। ऐसा खाना जिसे पेट आसानी से पचा नहीं पा रहा हो उसे ब्रेक करने और पचाने में गर्म पानी काफी मदद करता है, इससे पेट साफ रहता है और पाचन संबंधी कोई और समस्या परेशान नहीं करती।

वेट लॉस

पाचन दुरुस्त रहे तो वेट लॉस में भी मदद मिलती है। साथ ही में गर्म पानी फैट लॉस में भी मदद करता है।

पेट दर्द व मरोड़ में राहत

पेट दर्द होने पर या मरोड़ चलने पर भी गर्म पानी काफी राहत देता है। हालांकि इसका ध्यान रहे कि पानी को धीरे-धीरे पिएं, एकदम से गर्म पानी पीना नुकसान कर सकता है। वहीं रोज सुबह गर्म पानी पिएंगे तो ये परेशानियां होंगी ही नहीं।

ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है

सुबह गर्म पानी पीने से ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन को सुधारने में भी मदद मिलती है, यह बीपी को नॉर्मल रखने में भी मदद करता है।

गला रहेगा साफ

अक्सर सुबह उठने पर लोग कफ की शिकायत करते हैं, ऐसे में गर्म पानी पीने पर उन्हें राहत महसूस होगी। गर्म पानी कफ की समस्या को दूर कर गले को साफ रखता है।

बॉडी होगी टॉक्सिन फ्री

शरीर के टॉक्सिन को बॉडी से बाहर निकालने में भी गर्म पानी काफी मदद करता है। यह न सिर्फ हेल्थ पर पॉजिटिव असर डालता है बल्कि स्किन पर भी ग्लो लाता है।

मीठा खाने से नहीं बल्कि खाने की इस चीज से बढ़ रहा है आपका वजन, आज ही दें ध्यान

अक्सर लोग पतला होने के लिए, सबसे पहले मीठे और कार्ब्स को अपनी थाली से दूर करते हैं। लेकिन, एक्सपर्ट के मुताबिक, खाने की एक और चीज इससे भी ज्यादा वजन बढ़ा सकती है। अक्सर लाख कोशिशों के बाद भी लोग वजन कम नहीं कर पाते हैं। कई बार खाने-पीने की कई सारी चीजों को छोड़ने के बाद भी वजन टस से मस नहीं होता है। तब दिमाग में सबसे पहला सवाल यही आता है कि आखिर क्यों वेट कम नहीं हो रहा है। वजन कम करने के लिए, सबसे पहले इसके बढ़ने के सही कारणों के बारे में जानना जरूरी है। महंगी डाइट फॉलो करना या लंबे वक्त तक भूखा रहना, मोटापा कम नहीं कर सकता है, बल्कि पोर्शन कंट्रोल और हेल्दी ईटिंग हैबिट्स से वजन कम करने में मदद मिलती है। अक्सर लोग पतला होने के लिए, सबसे पहले मीठे और कार्ब्स को अपनी थाली से दूर करते हैं। लेकिन, एक्सपर्ट के मुताबिक, खाने की एक और चीज इससे भी ज्यादा वजन बढ़ा सकती है। यह कौन सी चीज है और किस तरह आपका वजन बढ़ा रही हैं।

कुकिंग ऑयल

- कार्ब्स और शुगर से कहीं ज्यादा कुकिंग ऑयल वजन बढ़ा सकते हैं। आप खाना बनाते समय किस तरह के तेल का इस्तेमाल कर रही हैं और कितना तेल यूज कर रही हैं, यह आपकी सेहत पर असर डाल सकता है।
- कुकिंग ऑयल वजन बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हो सकता है। रिफाइंड ऑयल में अनहेल्दी फैट्स होते हैं, जो शरीर में चर्बी जमा कर सकते हैं।
- इसकी वजह से कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है और मेटाबॉलिज्म भी स्लो हो जाता है।
- रिफाइंड ऑयल के सेवन से इंसुलिन सेंसिटिविटी भी कम होती है और इसके कारण भी वजन बढ़ने लगता है।
- रिफाइंड ऑयल में बहुत अधिक कैलोरी होती है। इसके अधिक इस्तेमाल से कमर और पेट के आस-पास चर्बी जमने लगती है। इसकी वजह से बीपी और शुगर जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। एक्सपर्ट की कहना है कि रिफाइंड ऑयल की जगह, घी, ऑलिव ऑयल और मस्टर्ड ऑयल का इस्तेमाल करें। ये शरीर में इंफ्लमेशन को कम करके दिल को सेहतमंद बनाने में मदद करते हैं।
- अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो डाइट में फाइबर और प्रोटीन से भरपूर चीजों को शामिल करें।

सर्दी-जुकाम और एलर्जी नहीं करेगी परेशान पिएं यह देसी ड्रिंक

बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम और एलर्जी अक्सर लोगों को परेशान करती है। इससे बचने में यह देसी ड्रिंक आपकी मदद कर सकता है। इसके फायदे और इसे बनाने का तरीका।

मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी, जुकाम और कई मौसमी इंफेक्शन्स परेशान करने लगते हैं। जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर होती है, उन पर बदलते मौसम का असर जल्दी और ज्यादा होता है। ऐसे में बदलते मौसम के बीच, खुद को सेहतमंद रखना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए कई घरेलू नुस्खे कारगर हैं। हमारे घरों में हमेशा से मौसम के हिसाब से खान-पान और जीवनशैली में बदलाव होते रहे हैं। लगभग सभी घरों में गर्मी में शरीर को ठंडक देने, सर्दी में शरीर में अंदर से गर्म रखने और बदलते मौसम के बीच इम्यूनिटी मजबूत करके मौसमी एलर्जी से बचाने के लिए कई नुस्खे आजमाएं जाते रहे हैं। यहां हम आपको एक ऐसी ही देसी ड्रिंक के बारे में बता रहे हैं, जो आपको कई तरह की एलर्जी और इंफेक्शन से बचा सकती है। इस बारे में डाइटिशियन सिमरन कौर जानकारी दे रही हैं। वह सर्टिफाइड डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट हैं। बदलते मौसम में इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए बेसन से बनाएं यह ड्रिंक

- अगर आपको सर्दी-खांसी और जुकाम परेशान करता है, तो इस ड्रिंक को जरूर पिएं।
- सर्दी-खांसी से बचाने के लिए बेसन का यह शीरा या बेसन का ड्रिंक कई सालों पुरानी हेल्दी रेसिपी है।
- बेसन एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इससे कफ दूर होता है और सर्दी-खांसी में राहत मिलती है।
- गुड़, बेसन, काली मिर्च और इलायची से बना यह ड्रिंक, बंद नाक को खोलने का काम करती है।
- सीने में जकड़न की वजह से अगर आपको सांस लेने में मुश्किल हो रही है, तो भी यह ड्रिंक फायदेमंद है।
- काली मिर्च में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। ये शरीर में इंफेक्शन्स से बचाती है। सर्दी-खांसी को दूर करने में भी यह फायदेमंद है।
- गुड़ की तासीर गर्म होती है। यह शरीर को अंदर से गर्म रखता है।

एलर्जी से बचने के लिए बनाएं यह देसी ड्रिंक

सामग्री

- देसी घी- 3/4 कप
- बेसन- 3/4 कप
- गुड़- 1 टीस्पून
- पानी- 3 कप
- इलायची- 2
- काली मिर्च- 4
- बादाम- 4 (कटे हुए)

विधि

- बेसन को घी में अच्छे से भूनें।
- जब यह रंग बदलने लगे तो इसमें पानी मिला दें।
- अब इसमें गुड़, काली मिर्च, इलायची और बादाम डालकर इसे 1-2 मिनट पकाएं।
- आपकी हेल्दी ड्रिंक तैयार है।
- इसे आप एक मील की जगह ले सकती हैं।

सोनू निगम ने की शाहरुख खान की तारीफ

शाहरुख खान के अभिनय के दीवाने दुनियाभर में हैं। शाहरुख अच्छी अदाकारी के साथ-साथ अच्छे काम के लिए भी जाने जाते हैं। इंडस्ट्री से जुड़े लोग अक्सर उनसे जुड़े किस्से सुनाते हैं। हाल ही में सिंगर सोनू निगम ने भी किंग खान की तारीफ की है। सोनू निगम ने यहां तक कह दिया कि उन्होंने शाहरुख जैसे शानदार व्यवहार वाला कोई और एक्टर नहीं देखा।

सोनू निगम ने हाल ही में फरीदून शहरयार के साथ बातचीत में शाहरुख खान के बारे में बातचीत की। सिंगर ने शाहरुख की तारीफ में कहा, वे (शाहरुख) वाकई एक खास शख्सियत हैं, जो कड़ी मेहनत से अपने फील्ड में शीर्ष पर पहुचे हैं। सोनू निगम ने शाहरुख खान के विनम्र व्यवहार और उदारता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्होंने मेनस्ट्रीम के अभिनेता को इतना शालीन व्यवहार करते नहीं देखा, जबकि उनके पास अहंकार के तमाम कारण हो सकते हैं। सोनू निगम ने बताया कि हाल ही में उनकी दोस्ती आमिर खान के साथ हुई है। आमिर को भी सोनू निगम ने एक बेहतरीन इंसान बताया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि शाहरुख की इन वर्षों में निरंतरता बेजोड़ है। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान ने हमेशा उनके गानों का क्रेडिट उन्हें दिया है, भले ही ऐसा करने की उनकी कोई बाध्यता न रही हो। सोनू निगम ने जोर देकर कहा कि शाहरुख का इंडस्ट्री में जो कद है, उस कद के किसी व्यक्ति के लिए दूसरों के योगदान को खुले तौर पर स्वीकार करना और उसकी तारीफ करना बहुत ही दुर्लभ है। जहां क्रेडिट देना चाहिए, वहां क्रेडिट देना।

शाहरुख खान के कई गानों को दी है सोनू ने आवाज

सोनू निगम ने कहा कि वे दूसरों को उनके काम का क्रेडिट देने की शाहरुख खान की आदत की खासतौर से तारीफ करते हैं, खासकर तब जब इंडस्ट्री में कई लोग अक्सर दूसरों के योगदान को नजरअंदाज कर देते हैं। उन्होंने कहा कि सिंगर अक्सर आइकॉनिक गाने गाते हैं, मगर दूसरे लोग उन्हें सम्मान दिए बिना ही पुरस्कार ले लेते हैं। मगर, शाहरुख खान इससे हमेशा बचते हैं। बता दें कि सोनू निगम ने शाहरुख खान के लिए कल हो ना हो, सूरज हुआ मद्धम, मैं अगर कहूं, दो पल, तुम्ही देखो ना, तुझमें रब दिखता है और ये दिल दीवाना समेत कई गाने गाए हैं।

'परम सुंदरी' की 'चेन्नई एक्सप्रेस' से तुलना पर जान्हवी ने जताई खुशी

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की आगामी फिल्म 'परम सुंदरी' लगातार चर्चाओं में बनी है। फिल्म अपनी रिलीज को तैयार है। हालांकि, फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद से ही 'परम सुंदरी' की तुलना शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की 'चेन्नई एक्सप्रेस' से की जा रही है। फिल्म की कहानी और कॉन्सेप्ट भी 'चेन्नई एक्सप्रेस' से मिलता-जुलता लग रहा है। अब इस तुलना पर फिल्म की लीड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

बातचीत के दौरान जान्हवी ने रोहित शेट्टी की 'चेन्नई एक्सप्रेस' से अपनी फिल्म की तुलना किए जाने और दोनों में समानताएं बताए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए ब्लॉकबस्टर फिल्म के साथ अपनी फिल्म की तुलना किए जाने पर खुशी जताई। हालांकि, इस दौरान एक्ट्रेस ने स्पष्ट किया कि दोनों फिल्में पूरी तरह से एक-दूसरे से अलग हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे 'चेन्नई एक्सप्रेस' बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा संदर्भ है। मैं इसे एक तारीफ के तौर पर लेती हूं। यह फिल्म 10 साल पहले रिलीज हुई थी। निश्चित रूप से ये दोनों फिल्में एक जैसी नहीं हैं।' साथ ही जान्हवी ने लोगों से दक्षिण के किरदारों को लेकर एकमत न होने का भी आग्रह किया।

मैं फिल्म में आधी तमिल और आधी मलयाली हूं

दोनों फिल्मों को एक जैसा बताने पर जान्हवी ने कहा कि 'चेन्नई एक्सप्रेस' एक हिट फिल्म है। लेकिन दीपिका ने फिल्म में एक तमिलियन की भूमिका निभाई है। जबकि मैं एक आधी तमिल, आधी मलयाली लड़की की भूमिका में हूं। अगर आप इसके बारे में सोचें, तो उन लोगों की ओर से एक सामान्यीकरण हो रहा है जो दोनों फिल्मों की तुलना कर रहे हैं। मैं फिल्म में केरल से हूं और दक्षिण के सभी लोगों को एक साथ नहीं रखा जा सकता है। यह पूरी तरह से एक अलग परिवेश है।

हर साल नहीं आतीं ऐसी फिल्में

अभिनेत्री ने आगे कहा कि इसी तरह से '2 स्टेट्स' भी ऐसी ही फिल्म थी, लेकिन यह 'चेन्नई एक्सप्रेस' के बाद आई थी। इस तरह की फिल्में हर साल रिलीज नहीं होती हैं। मुद्दा यह है कि लोग हमारी तुलना किसी ऐसी चीज से नहीं कर रहे हैं जिसे भुला दिया जाना चाहिए। 'चेन्नई एक्सप्रेस' एक चर्चित फिल्म थी, जिसमें प्रतिष्ठित किरदार और अभिनेता थे। हमारी फिल्म उससे पूरी तरह से अलग है।

29 अगस्त को रिलीज होगी परम सुंदरी

तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित परम सुंदरी 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। यह साउथ की लड़की और दिल्ली के लड़के की प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है।

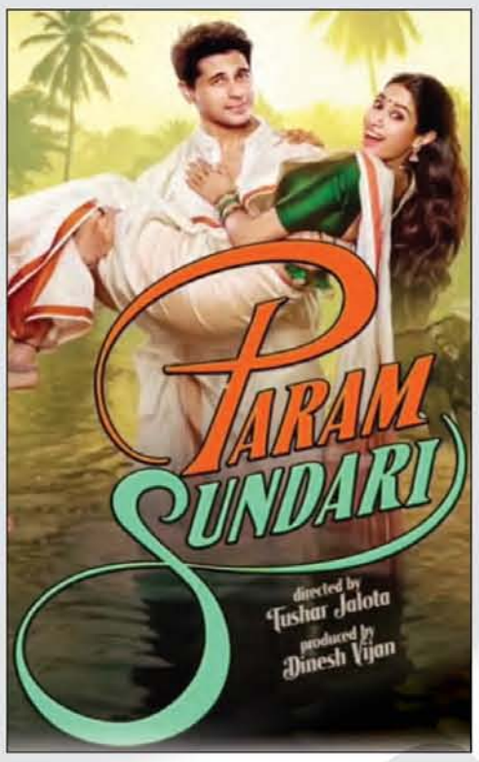

बिग बॉस 19 की कंटेस्टेंट नतालिया ने बताई अपनी रणनीति

रियलिटी शो बिग बॉस 19 में पोलैंड की नतालिया जानोसजेक बतौर प्रतिभागी पहुंची हैं। नतालिया की मानें तो कुछ लोगों को यह खटक सकता है कि जब इंडिया में इतने टैलेंटेड लोग हैं तो फिर एक इंटरनेशनल कंटेस्टेंट को शो में क्यों लाया गया?

आप एक ऐसे घर में जा रही हैं, जहां सब स्ट्रॉन्ग पर्सनैलिटीज हैं। सबसे पहले किससे भिड़ने का अंदेशा है?

सच कहूं तो मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं है। मैंने जानबूझकर किसी का नाम तक गूगल नहीं किया, क्योंकि मैं चाहती हूं कि अंदर जाकर सबको उनकी असली शख्सियत से जानूं। मुझे ये फेयर नहीं लगता कि बाहर की इमेज बनाकर जाऊं और फिर उसके हिसाब से बिहेव करूं। हां, इतना जरूर कहूंगी कि अगर कोई बेवजह मुझे उकसाएगा या टारगेट करेगा तो मैं चुप नहीं बैठूंगी। भिड़ंत तभी होगी जब कोई खुद लाइन क्रॉस करेगा।

वो कौन-सी एक चीज है, जिसे आप घरवालों से बर्दाश्त नहीं करेंगी?

मेरे लिए सबसे जरूरी है रिस्पेक्ट। अगर कोई इंसान दूसरों को छोटा समझे, ओवरकॉन्फिडेंस दिखाए और खुद को सबसे ऊपर मानने लगे...तो वहां मुझसे टकराव पक्का है। मैं ये मानती हूं कि आप कितने भी स्ट्रॉन्ग या फेमस क्यों न हों, दूसरों को इज्जत देना सबसे जरूरी है। अगर कोई ऐसा नहीं करता, तो मेरे लिए वो सबसे बड़ी रेड लाइन होगी। मैं डिसरेस्पेक्ट को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करूंगी।

आपकी क्या तैयारी है?

सच कहूं तो मैंने बहुत ज्यादा बॉलीवुड फिल्में नहीं देखी थीं। मुझे याद है जब किसी ने मुझसे सलमान खान के बारे में पूछा, तो उस समय मुझे उनके बारे में जानकारी नहीं थी। आज उन्हीं सलमान खान के साथ स्टेज शेयर करूंगी। ये मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं होगा।

अगर कोई घरवाला आपके बारे में झूठ फैलाए या अफवाहें उड़ाए तो?

मैं मानती हूं कि सच कभी दबाया नहीं जा सकता। झूठ चाहे कितना भी शोर मचाए, सच हमेशा सामने आ ही जाता है। अगर कोई मेरे खिलाफ अफवाह फैलाएगा, तो मैं घबराऊंगी नहीं। मैं उस इंसान को सामने से जवाब दूंगी और बाकी घरवालों को भी अपनी सच्चाई दिखाऊंगी। मेरा मानना है कि जब आप रियल होते हैं तो लोग धीरे-धीरे सच को पहचान ही लेते हैं। इसलिए मैं किसी के झूठ से डरने वाली नहीं हूं।

आप भी ड्रामा क्रिएट करेंगी या शांत रहकर खेलेंगी?

मैं नकली ड्रामा क्रिएट करने वाली नहीं हूं। मुझे झूठा दिखावा या फेक झगड़े करने की आदत नहीं है। हां, मैं जानती हूं कि बिग बॉस का घर ऐसा है, जहां आप चाहकर भी ड्रामे से बच नहीं सकते। कई बार बिना कुछ किए भी आप ड्रामे का हिस्सा बन जाते हैं। मेरी कोशिश होगी कि मैं स्ट्रैटेजिक रहूं और खुद को असली तरीके से दिखाऊं। लेकिन अगर कोई सिचुएशन वॉर जैसी बनती है, तो मैं पीछे नहीं हटूंगी। मेरे लिए ईमानदारी ज्यादा अहम है और मैं उसी पर टिकी रहूंगी।

'नो फिल्टर नेहा' पॉडकास्ट का किस्सा, जब नेहा धूपिया ने लीक से हटकर सोचा

नेहा धूपिया बॉलीवुड और भारतीय मनोरंजन जगत का एक जाना-माना नाम हैं। उनका जन्म 27 अगस्त 1980 को कोच्चि, केरल में हुआ था। उनके पिता, कमांडर प्रताप सिंह धूपिया, भारतीय नौसेना में थे और उनकी मां, मंजीत धूपिया, एक गृहिणी हैं। नेहा ने अपना करियर मॉडलिंग से शुरू किया और साल 2002 में फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स का खिताब जीता। इसके बाद वे मिस यूनिवर्स 2002 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने गईं, जहां वे टॉप 10 फाइनलिस्ट में शामिल हुईं। यहीं से उन्हें ग्लैमर इंडस्ट्री में पहचान मिली। नेहा धूपिया ने बॉलीवुड में 2003 में फिल्म कयामत - सिटी अंडर थ्रेट से डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने कई बड़ी फिल्मों में काम किया, जिनमें जूली, शीशा, क्या कूल हैं हम, और चुप चुप के जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं।

फिल्मों के साथ ही उन्होंने अपना खुद का एक पॉडकास्ट भी शुरू किया। इसका नाम 'नो फिल्टर नेहा' है। यह आज भले ही बहुत लोकप्रिय है, लेकिन इसे शुरू करने का किस्सा काफी अनोखा है। 2016 में जब नेहा ने इस पॉडकास्ट को शुरू करने का फैसला किया, तब भारत में पॉडकास्टिंग का कोई चलन नहीं था। अधिकतर लोग यह मानते थे कि मनोरंजन का मतलब सिर्फ वीडियो है और कोई भी सिर्फ ऑडियो शो नहीं सुनेगा। जब नेहा ने अपने दोस्तों और इंडस्ट्री के लोगों से यह आइडिया शेयर किया, तो उन्हें कई तरह के रिएक्शन मिले। कोई कहता, यह आइडिया फ्लॉप हो जाएगा, तो कोई कहता, इसे कौन सुनेगा? लोगों ने उनको इसे न करने के बहुत से कारण गिनाए।

लेकिन, नेहा को अपने आइडिया पर पूरा भरोसा था। वह जानती थीं कि भारत में, जहां इंटरव्यू के दौरान अक्सर सवाल-जवाब बहुत नियंत्रित होते हैं, वहां एक ऐसा प्लेटफॉर्म होना चाहिए, जहां सेलेब्रिटी बिना किसी फिल्टर के खुलकर बात कर सकें। उन्होंने मशहूर हस्तियों को अपने पॉडकास्ट पर लाने के लिए राजी किया। जब पहला एपिसोड रिकॉर्ड हुआ, तो कुछ कलाकारों को भी यह अजीब लगा कि वे सिर्फ बोल रहे हैं और कैमरा नहीं है। लेकिन, धीरे-धीरे, उन्होंने इस फॉर्मेट को एन्जॉय करना शुरू कर दिया। इस पॉडकास्ट की सफलता ने साबित कर दिया कि नेहा ने सही सोचा था। 'नो फिल्टर नेहा' भारत के सबसे सफल पॉडकास्ट में से एक बन गया। इस पॉडकास्ट ने न सिर्फ नेहा को एक नई पहचान दी, बल्कि यह भी साबित किया कि अगर आप अपने आइडिया पर विश्वास करते हैं, तो आप लीक से हटकर भी सफलता पा सकते हैं।

नहीं चाहिए बिग बॉस 19 की ट्रॉफी, लोगों के दिल जीतना है मकसद

टीवी के सबसे कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस 19 में कंटेस्टेंट के तौर पर इन दिनों सोशल मीडिया की चर्चित पर्सनालिटी तान्या मित्तल नजर आ रही हैं। वो अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। शो में कदम रखने से पहले उन्होंने अपनी सोच, फैसले और घर में आने वाली चुनौतियों पर बातचीत की।

सोशल मीडिया पर आपके लाइफस्टाइल को लेकर बहुत बातें होती हैं। बिग बॉस रियल तान्या दिखाएगा या उन्हें सही साबित करेगा?

सच तो ये है कि मैं अपनी पसंद की लड़ाई लड़ती हूं, अपने दोस्तों के लिए खड़ी होती हूं और चीजों को लेकर बहुत पर्टिकुलर हूं। मेरे लाइफस्टाइल के हिसाब से कुछ लोग एडजस्ट नहीं कर पाते, इसलिए ट्रोल्स को मौका मिलता है। लेकिन मैं हमेशा अपने लिए खड़ी रहती हूं और जो भी मुझे ट्रोल करता है, उसके इरादे ही मुझे प्रभावित नहीं करते। बिग बॉस मेरा असली चेहरा दिखाने का सबसे सही मंच है और मैं कोई फेक नहीं बनूंगी।

पब्लिक सिम्पथी या ट्रॉफी, आप क्या चुनेंगी?

मैं हमेशा पब्लिक सिम्पथी चुनूंगी। ट्रॉफी तो केवल शॉर्ट-टर्म जीत है, लेकिन लोगों के दिल जीतना लॉन्ग-टर्म कामयाबी है। मैं चाहती हूं कि लोग मेरे नाम से प्यार करें, मेरा आदर करें और मुझे रियल समझें। मैं शो की ट्रॉफी से नहीं, बल्कि लोगों के दिलों से जीतना चाहती हूं।

आप कैसे याद रहना चाहती हैं

मैं सिर्फ याद रहना चाहती हूं। मुझे कंट्रोवर्सी या साइलेंस की परवाह नहीं। मैं अपनी सच्चाई दिखाना चाहती हूं। लोग 48 घंटे में ड्रामा भूल जाते हैं, लेकिन जो सच है और जो आप खुद हैं, वही लंबा चलता है। बिग बॉस में मैं दिखाऊंगी कि मैं शांत भी हूं, लेकिन कभी भी दब कर नहीं बैठती।

सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने को लेकर कितनी एक्साइटेड हैं?

यह एक ड्रीम मोमेंट है। मैं पहले ही इस दिन की कल्पना कर रही थी कि किस तरह से मैं उनका सामना करूंगी। यह सिर्फ एक सेलिब्रिटी मिलना नहीं है, बल्कि यह सीखने का और अपने आप को टेस्ट करने का मौका है।

अगर सलमान आपको डांट दें, तो आप रियलिटी में कैसे रिएक्ट करेंगी?

यह वाकई मुश्किल है, क्योंकि मैं अपनी राय पर दृढ़ हूं। लेकिन मैं उन्हें सम्मान दूंगी। मैं उनका अनुभव मानती हूं, लेकिन अपनी बात भी रखूंगी। जैसे किसी टीचर को मैं समझाती हूं, वैसे। मैं बहस नहीं करूंगी सिर्फ विवाद के लिए, लेकिन अगर मेरी पर्सनैलिटी पर सवाल उठाया गया, तो मैं अपना पक्ष रखूंगी।

क्या आप सलमान के लिए अपने व्यवहार को बदलेंगी या अपने रियल पर्सनालिटी पर टिकेंगी?

मैं वही रहूंगी जो मैं हूं। कुंभ के बाद भी मैंने जो सच बोला, उसके लिए आलोचना मिली। मैं किसी की नजर में अच्छा बनने के लिए नहीं जाऊंगी। मेरा मानना है कि रियलिटी शो में हमेशा अपनी सच्चाई दिखानी चाहिए।

सलमान की सलाह मानेंगी या अपनी गेम प्लान पर चलेंगी?

मैं उनकी सलाह सुनूंगी। वो ज्यादा अनुभवी हैं और बिग बॉस के बारे में बेहतर जानते हैं। लेकिन अंत में, जो सही लगे वही करूंगी। मैं कभी अपने रियलिटी और सच्चाई से समझौता नहीं करूंगी।

यूपी और एमपी टूरिज्म बोर्ड ने आपसे दूरी बना ली है। क्या आप अपने आतंकवाद का कोई धर्म नहीं वाले शब्दों पर टिकेंगी?

हां। मैं अपने शब्दों पर कायम रहूंगी। यह मंच मुझे अपनी राय रखने का मौका देता है। मैं किसी की नजर में अच्छा बनने के लिए नहीं आई हूं। अगर लोग मुझसे नाराज़ हैं तो उनकी सोच, मेरी नहीं। मैं केवल सच बोल रही हूं और यही मेरा स्टैंड है।

अगर हाउसमेट्स आपको 'अटेंशन सीकर' कहकर चिढ़ाएं तो?

मैं उनके लिए दुखी महसूस करूंगी, लेकिन मैं अपने स्टैंड पर खड़ी रहूंगी। मैं जानती हूं कि लोग ट्रोल क्यों करते हैं क्योंकि मैं सच्चाई बोलती हूं और बहुत अच्छे तरीके से जीवन जीती हूं। मैं अपनी अच्छाई दिखाऊंगी और खुद को सही साबित करूंगी।

तान्या मित्तल बटोर रहीं सुर्खियां

तान्या बिग बॉस 19 के घर में काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। उनके अजीबो-गरीब बयान, अटपटे रिएक्शन्स और दूसरे कंटेस्टेंटेस के साथ उनकी बेबाक बातचीत कई यूजर्स को रास नहीं आ रही है। सोशल मीडिया पर उन्हें उनके बयानों के चलते काफी ट्रोल भी किया जा रहा है।

नोएडा प्राधिकरण ने चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की जनस्वास्थ्य विभाग ने जोनल रोड संख्या-6 पर विशेष सफाई अभियान चलाया। इस अभियान में जन स्वास्थ्य विभाग तथा सिविल विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह जन स्वास्थ्य विभाग खंड-1 के वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल समेत स्वास्थ्य विभाग की समूची टीम मौजूद थी। इस दौरान जगह-जगह फुटपाथों तथा नालियों की सफाई की गई एवं जगह-जगह कूड़े कचरे का ढेर हटाया गया। इस अभियान में सैकड़ों सफाई कर्मचारी लगे हुए थे। मौके पर महाप्रबंधक एसपी सिंह तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी खड़े होकर सफाई करवा रहे थे। विभिन्न स्थानों से मिलने वाली शिकायतों के मदेनजर महाप्रबंधक एसपी सिंह ने मौके पर टीम के साथ जगह-जगह सफाई अभियान चलवाया।

नोएडा पंजाबी समाज के अध्यक्ष बने राजीव अजमानी, महासचिव रणधीर सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पंजाबी समाज के 2025-2027 के चुनाव में राजीव अजमानी अध्यक्ष, रणधीर सिंह महासचिव निर्विरोध चुने गए हैं।

चुनाव अधिकारी कमल कुमार अग्रवाल ने बताया कि नोएडा पंजाबी समाज के चुनाव में 20 पदों के लिए कुल 22 नामांकन पत्र दाखिल हुए जिनमें जांच करने के बाद दो नामांकन पत्र रद्द कर दिए गए, चुनाव की पूरी प्रतिक्रिया होने के बाद 20 सदस्यों को ही एक पैनल के रूप में निर्विरोध निर्वाचित किया गया, जिसमें अध्यक्ष पद पर राजीव अजवानी और महासचिव पद पर रणधीर सिंह वहीं कोषाध्यक्ष पद पर नीरू शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संदीप मेहंदीरत्ता, राकेश कोहली, सूरज वर्मा, उपाध्यक्ष वी.के. सेठ, राहुल नय्यर, संदीप विरमानी, सचिव संजीव भयाना, जतिन मेहता, भूपेंद्र सिंह, संयुक्त कोषाध्यक्ष रोहित ढींगरा, संयुक्त सचिव प्रीतपाल सबरवाल, अजय भूटानी, परमजीत सिंह बुमराह, इंदर मोहन कुमार, गिरीश नारंग, प्रिंट मीडिया प्रभारी मनिंदर सिंह रयात, सोशल मीडिया प्रभारी अजय सरीन चुने गए हैं।

नवनियुक्त अध्यक्ष राजीव अजमानी ने कहा कि पंजाबी समाज ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है मैं उसका पूरी निष्ठा से पालन करूंगा और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए हमेशा उपलब्ध रहकर पंजाबी समाज के हित में कार्य करूंगा।

फर्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन ने किया मेडिकल वर्कशॉप

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-70 में फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन द्वारा विशेष

मेडिकल वर्कशॉप एवं सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय था कंधे और उससे जुड़ी समस्याएं। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी और ऑक्यूपेशनल थैरेपी विभाग के विद्यार्थियों ने इस परेशानी से जुडे लोगों ने विशेषज्ञों से व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री, बी.एल. वर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और कहा कि इस प्रकार के मेडिकल वर्कशॉप और सेमिनार विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करते हैं। फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन के निदेशक डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव, डॉ. महिपाल सिंह और मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुष्मिता भाटी शामिल रहे। डॉ. दीक्षा ने कंधे के जोड़ की संरचना, बायोमैकेनिक्स और सामान्य समस्याओं जैसे फ्रोजन शोल्डर व रोटेटर कफ इंजरी के बारे में विस्तार से बताया। वहीं डॉ. महिपाल सिंह ने विद्यार्थियों को क्लिनिकल आंकलन एवं पुनर्वास तकनीकों का प्रशिक्षण दिया।

इस अवसर पर डॉ. अभिषेक राज, प्रशासनिक प्रमुख कृष्णा यादव और विशेष शिक्षिका इलिका रावत, सौम्या सोनी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सेंटर मैनेजर सुर्भी जैन ने कहा फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन का उद्देश्य युवाओं को केवल सैद्धांतिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक और जीवनोपयोगी कौशल प्रदान करना है। इस तरह के मेडिकल वर्कशॉप और सेमिनार विद्यार्थियों को दक्ष बनाकर समाज और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने योग्य बनाते हैं।

सेक्टरों की समस्याओं को लेकर फोनरवा की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन

(फोनरवा)की कार्यकारणी कमेटी की बैठक हुई जिसमें अन्य विषयों के साथ-साथ आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने सेक्टरों में नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठकों में बताई गई समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है।

सेक्टरों में रुके हुए विकास कार्यों, अतिक्रमण, वेंडिंग ज़ोन,आरडब्ल्यूए का सब्सक्रिप्शन ना देने वाले निवासियों पर नोएडा ऑथोरिटी द्वारा कार्रवाई न करना, पार्किंग शुल्क में कमी और निवासियों की अन्य प्रमुख समस्याओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके साथ साथ फ्लैटों में अनधिकृत विस्तार को पेनल्टी लगाकर नियमित करना और हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कुत्तों पर दिए गए निर्णय को लागू करना आदि पर चर्चा हुई। महासचिव के के जैन ने बताया कि जल्दी ही मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा प्राधिकरण के साथ बैठक की जाएगी जिसमें महत्वपूर्ण चर्चा की जाएगी।

इस अवसर पर अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा, महासचिव के के जैन, सुशील यादव, लाटसाहब लोहिया एडवोकेट, संजय चौहान, प्रदीप वोहरा, आर के सिंह, वीरेंद्र सिंह नगरकोटी, उमाशंकर शर्मा, भूषण शर्मा, सुशील शर्मा, ह्रदेश कुमार गुप्ता, विनोद शर्मा, सतनारायण गोयल, धर्मेंद्र शर्मा तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सेक्टर-9 की झुग्गियों में अवैध विद्युत कनेक्शन के खिलाफ अभियान जल्द

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-9 में बसी झुग्गियों में कटिया डालकर बिजली चोरी की जा

रही है जिस कारण आए दिन शॉर्टसर्किट होता है और बिजली जाने से औद्योगिक इकाईयों को नुकसान होता है। इस संबंध में एनईए ने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता से शिकायत की है।

एनईए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं चेयरमैन विद्युत कमेटी हरीश जोनेजा की अध्यक्षता में विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता विवेक कुमार तथा उपखंड अधिकारी विश्वजीत चौधरी एंव अजय के साथ हुई बैठक में उद्यमियों ने यह समस्या रखी।

बैठक में हरीश जोनजा ने बताया कि सैक्टर-9 में विद्युत पोलों में आस-पास की झुग्गियों तथा उनमें चल रही दुकान वालों ने कटियां डाल रखी है जिसके कारण आये दिन तारों में शार्ट सर्किट होने के कारण इकाईयों की विद्युत बाधित होती रहती है जिसके कारण इकाईयों में उत्पादन प्रभावित होता है और उद्यमियों को आर्थिक नुकसान होता है। इस लिए झुग्गियों में विद्युत कनेक्शन के लिए अलग से ट्रासंफार्मर लगाकर उससे विद्युत सप्लाई दी जाए।

अधीक्षण अभियंता विवेक कुमार ने कहा कि सैक्टर-9 की झुग्गियों में अवैध रूप से चल रहे कनेक्शनों के खिलाफशीघ्र कार्यवाही की जाएगी ।

इस अवसर पर एनईए के उपाध्यक्ष मौ. इरशाद, सचिव कमल कुमार, राहुल नैयर, राजन खुराना, सतनारायण गोयल, पियूष मंगला, हिमाशु अरोड़ा, ब्रिज मोहन अरोड़ा एवं कार्तिक कमल कुमार उपस्थित रहे।

जलवायु टावर आरडब्ल्यूए ने किया साइकिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 47 स्थित जलवायु टावर सोसायटी की आरडब्ल्यूए की ओर से साइकिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जूनियर से सीनियर तक के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विजेता साइकिलिस्ट को नोएडा के विधायक व साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पंकज सिंह ने सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में 4 से 5 आयु वर्ग में हर्षिल सिंह, 6 से 8 आयु वर्ग में विराज भाटी, 8 से 9 आयु वर्ग में दिवित श्रीवास्तव,10 से 13 आयु वर्ग में रिद्विक महाजन, 14 से 18 आयु वर्ग में अंशुमान बघेल विजेता रहे। महिला वर्ग में निशु कौल, पुरुष वर्ग में हरीश और 50 से अधिक आयु वर्ग मे राजेश सूरी विजेता रहे। साइकिलिंग

प्रतियोगिता का आयोजन ऋषि जैन, शशांक चतुर्वेदी और आशीष सोनी की देखरेख में किया गया।

इस मौके पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन एके सिंह, महासचिव ज्योति डी त्रिपाठी, प्रवीन सेठ,आसिम अफसर सहित सोसायटी के अन्य निवासी उपस्थित रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

'टैरिफ संकट से गौतमबुद्धनगर के उद्योगों पर पड़ेगा असर'

एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसो. के अध्यक्ष ने जताई चिंता

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक

क्षेत्रों में स्थापित लगभग 15,000 औद्योगिक इकाइयों पर टैरिफ संकट का असर पड़ा है। इनसे काम लेकर उत्पादन करने वाले जॉब वर्क आधारित लघु एवं मध्यम उद्योगों की हालत तो और भी दयनीय हो चुकी है।

एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन नोएडा के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह नाहटा ने कहा कि टैरिफ विवाद ने छोटे उद्योगों की रीढ़ तोड़ दी है। अमेरिका और यूरोप जैसे बड़े बाज़ारों में भारतीय उत्पाद महंगे हो रहे हैं, जिससे ऑर्डर घट रहे हैं और छोटे उद्योग बंदी की कगार पर पहुँच रहे हैं।

श्री नाहटा ने टैरिफ विवाद पर कहा कि टैरिफ वृद्धि से भारतीय उत्पाद 20-25 प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं। निर्यात घटने से जॉब वर्क इकाइयों के पास काम नहीं बचा है। लाखों कामगार रोज़गार संकट से जूझ रहे हैं। आयातित कच्चा माल और मशीनरी महँगी होने से उत्पादन लागत तेज़ी से बढ़ी है।

श्री नाहटा ने कहा कि यह समय बेहद चुनौतीपूर्ण है। यदि सरकार ने तुरंत हस्तक्षेप नहीं किया तो लाखों लोगों का रोजगार संकट में आ जाएगा और निर्यात में भारी गिरावट होगी। सरकार को उद्योग जगत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना होगा और एमएसएमई क्षेत्र के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन नोएडा के अध्यक्ष श्री नाहटा ने कहा कि गौतमबुद्धनगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) अब उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश का प्रमुख निर्यात केंद्र बन चुका है। पिछले वित्तीय वर्ष में यहां से 94,272 करोड़ रुपये का निर्यात दर्ज किया गया है, जो प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

श्री नाहटा ने कहा कि नोएडा का निर्यात आज 94,272 करोड़ रुपये तक पहुँचना सभी उद्योगपतियों, श्रमिकों और उद्यमियों की कड़ी मेहनत का नतीजा है।